E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 253 | गुवाहाटी | सोमवार, 20 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत से 5000 साल पुराने रिश्ते, जल्द सुलझेगा मामला पेज 2
60 वर्षों में कांग्रेस ने महिला सशक्तिकरण के लिए कुछ नहीं किया : दिलीप सैकिया पेज 3
इंदिरा-प्रियंका तक सिमटी कांग्रेस की राजनीति, आम महिला उपेक्षित... पेज 5
आईपीएल में सबसे ज्यादा जर्सी बदलने वाले खिलाड़ी : एक विस्तृत विश्लेषण पेज 7

सुप्रभात

कभी भी यह मत सोचो की तुम्हारे लिए, तुम्हारी आत्मा के लिए कुछ भी नामुमकिन है। यह सोच ही सबसे ज्यादा दुखदायी है।

– स्वामी विवेकानंद

पाकिस्तान में यूएस-ईरान वार्ता का दूसरा दौर आज, ट्रम्प ने दी सख्त चेतावनी

वॉशिंगटन/इस्लामाबाद (हि.स.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता का दूसरा दौर पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए कल शाम तक वहां पहुंच जाएगा। हालांकि, इस कूटनीतिक पहल के साथ ही ट्रंप ने ईरान को लेकर कड़ा रुख भी अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिका एक *उचित और संतुलित समझौता* पेश कर रहा है और उम्मीद है कि ईरान इसे स्वीकार करेगा। लेकिन यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अमेरिका कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरान समझौते को ठुकराता है, तो अमेरिका उसके बुनियादी ढांचे को निशाना बना सकता है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी स्थिति में ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों को नष्ट करने की कार्रवाई की जा सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि ईरान ने हाल ही में युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों के जरिए। उनके मुताबिक, इन घटनाओं ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है और वैश्विक समुद्री व्यापार पर भी असर डाला है। ट्रंप ने यह भी कहा कि कई जहाज अमेरिका की ओर बढ़ रहे हैं, जो तेल लोड करने की तैयारी में हैं। उनका दावा है कि यह स्थिति ऊर्जा आपूर्ति और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

तेहरान का रुख साफ, यूएस उसके बंदरगाहों से हटे तभी खुलेगा होर्मुज

तेहरान/वाशिंगटन/बेरूत (हि.स.)। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर गहराया संकट निकट भविष्य में हल होता नहीं दिख रहा। दुनिया ईरान और अमेरिका से जल्द ही इस मसले को सुलझाने की अपील करते-करते हार चुकी है। दूसरे दौर की बातचीत के करीब आए दोनों देशों के बीच अविश्वास और मतभेदों का दायरा और बढ़ गया है। ईरान ने काफी हद तक अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। ईरान ने बिना लाग

लपेट के कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को तभी खोलेगा, जब अमेरिका की सेना उसके बंदरगाहों की घेराबंदी खत्म कर लौट जाएगी। अल जजीराऔर सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के उप विदेशमंत्री सईद खतीबजादेह ने कहा कि अमेरिका के साथ आमने-सामने की बातचीत के नए दौर के लिए अभी कोई तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने हठधर्मिता के लिए वाशिंगटन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने साफ किया कि अगर अमेरिका चाहता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुले तो उसे सबसे पहले हमारे बंदरगाहों की घेराबंदी खत्मकर सेना को लौटने का आदेश देना होगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जब तक समझौता नहीं होगा, तब तक ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन तेहरान के किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा। खतीबजादेह ने तुर्किये के अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में पत्रकारों से कहा है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच अगले दौर की बातचीत के लिए कोई भी तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अभी तक हम आपसी समझ का ढांचा तय करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस पर सफलता मिलने पर अगले कदमों की घोषणा होगी। अगर अमेरिका अतिवादी रवैया न अपनाता तो समझौता काफी पहले हो जाता। उन्होंने कहा कि ईरान अंतर्राष्ट्रीय कानून के दायरे में ही अमेरिका से कोई समझौता करेगा। परमाणु अप्रसार संधि और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु एजेंसी सदस्य होने के नाते ईरान की कुछ जिम्मेदारियां हैं और कुछ अधिकार भी हैं। ईरान अपने अधिकारों का हकदार है। लेबनान में संघर्ष विराम के बाद हमने कहा कि होर्मुज से अब सुरक्षित आवाजाही होगी। मगर इसमें अमेरिका ने बाधा डाल दी। उसने कहा दिया यह मार्ग खुला तो है, -शेष पृष्ठ दो पर

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

असम में हो सकती है असमान वर्षा

गुवाहाटी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, लगातार पांच वर्षों तक सामान्य से कम मानसून वर्षा के बाद, पूर्वोत्तर में इस वर्ष मानसून का मौसम बेहतर रहने की संभावना है, हालांकि असम के लिए पूर्वानुमान अनिश्चित बना हुआ है। जून-सितंबर मानसून के लिए आईएमडी के पहले चरण के मौसमी पूर्वानुमान में पूर्वोत्तर क्षेत्र के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने का संकेत दिया गया है, जबकि देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पहले चरण के पूर्वानुमान के अनुसार कि स्थानिक वितरण से पता चलता है कि पूर्वोत्तर, उत्तर-पश्चिम और दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, जहां सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम मौसमी वर्षा होने की संभावना है। क्षेत्र के लिए समग्र रूप से सकारात्मक दृष्टिकोण के बावजूद, असम में मौसम की स्थिति मिली-जुली रहने का अनुमान है। पश्चिमी असम के कुछ हिस्सों और पूर्वी क्षेत्रों में इस मौसम में कम वर्षा हो सकती है। मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम जैसे पड़ोसी राज्यों में भी सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी द्वारा मई के अंत तक मानसून के दूसरे चरण का पूर्वानुमान जारी करने की उम्मीद है, जो अधिक विस्तृत आकलन प्रदान करेगा। राष्ट्रीय स्तर पर, गतिशील और सांख्यिकीय मॉडलों के संयोजन के आधार पर, मौसमी वर्षा लंबी अवधि के औसत (एलपीए) के लगभग 92 प्रतिशत होने का अनुमान है। मानसून -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

नलबाड़ी की नदी में डूबने से तीन लड़कियों की मौत

नलबाड़ी (हि.स.)। नलबाड़ी जिले के धमधमा क्षेत्र के बरशिराल में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसे में दो सगी बहनों सहित तीन लड़कियों की पगलादिया नदी में डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सभी लोग शाम के समय नदी किनारे टहलने के लिए गए थे, तभी -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा बोर्ड का पाठ्यक्रम न पढ़ाने वाले मदरसे होंगे बंद : धामी

हरिद्वार (हि.स.)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में एक कार्यक्रम के दौरान मदरसा शिक्षा को लेकर बड़ा और सख्त संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में संचालित सभी मदरसों में अब उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के निर्धारित पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। जो मदरसे इस पाठ्यक्रम को नहीं अपनाएंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शीघ्र ही राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा असम में शतक और बंगाल में दोहरा शतक बनाएगी : हिमंत

अलीपुरद्वार। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि भाजपा हाल ही में हुए असम विधानसभा चुनाव में 100 सीटें जीतकर शतक बनाने जा रही है, जबकि पश्चिम बंगाल में वह दोहरा शतक बनाएगी। अलीपुरद्वार जिले

के मदारीहाट स्थित बीरपारा सर्कस ग्राउंड में भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मण लिंबू के समर्थन में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि बंगाल में चाय बागान श्रमिकों को उनके उचित वेतन और लाभों से व्यवस्थित रूप से वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, असम में भाजपा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के लिए उच्च वेतन, राशन आपूर्ति और नियमित बोनस सुनिश्चित किए हैं। दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान दिए जाने वाले 20 प्रतिशत बोनस का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने कार्यकर्ताओं के साथ गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार करना जानती है। राज्य की प्रमुख -शेष पृष्ठ दो पर

सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री के खिलाफ आयोग सख्त, कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव और 8 सीटों पर हो रहे उपचुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, आईटी नियम, 2021 तथा आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों के तहत सभी संबंधित पक्षों को डिजिटल मंचों का जिम्मेदार और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करना होगा। चुनाव आयोग के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

परिसीमन प्रक्रिया पर विपक्ष को मुख्यमंत्री का करारा जवाब, कहा-

देश को गुमराह कर रही है कांग्रेस

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राज्य में हाल ही में हुए परिसीमन अभ्यास की आलोचना करने वाली कांग्रेस पर पलटवार करते हुए पार्टी पर जनता को गुमराह करने और लंबे समय से लंबित

चुनावी सुधार को अवैध ठहराने के लिए *जेरीमैंडरिंग* शब्द का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम शर्मा ने जोर देकर कहा कि 2023 में किया गया परिसीमन *कोई साजिश नहीं बल्कि एक आवश्यक और लंबे समय से प्रतीक्षित प्रक्रिया* थी जिसका उद्देश्य दशकों से चले आ रहे राजनीतिक असंतुलन को दूर करना था। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों, विशेष रूप से कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली सरकारों ने चुनावी लाभ के लिए कई क्षेत्रों, विशेष रूप से निचले असम में महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की अनदेखी की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिनिधित्व में वास्तविक विकृति अतीत में तब हुई जब वोट बैंक की राजनीति के अनुरूप बदलती जनसंख्या संरचनाओं को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान प्रक्रिया का उद्देश्य निर्वाचन क्षेत्रों को जमीनी हकीकतों के अनुरूप -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा : उखरुल में दो की हत्या के बाद तनाव, सीएम ने एनआईए को सौंपी जांच

इंफाल। मणिपुर में हिंसा का दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को राज्य के उखरुल जिले में संदिग्ध आतंकवादियों ने नागरिक वाहनों के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर

दिया। यह घटना लिटान पुलिस थाना क्षेत्र के टी एम कासोम गांव के पास हुई। हमले में दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान ताशर गांव के सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी चिनाओशांग शोकवुंगनाओ और खारासोम गांव के यारुइंगम वाशुम के रूप में हुई है। हमले के दौरान काफिले में शामिल तीन कारों को भी काफी नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और इसे -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, 18 लोगों की मौत

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया शोक

नई दिल्ली। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट में 18 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, मलबे में अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह विस्फोट फैक्ट्री के अंदर अचानक हुआ, जिसके बाद तेज धमाकों की आवाज दूर-दूर तक सुनी गई। विस्फोट इतना जोरदार था कि फैक्ट्री का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया और आग तेजी से -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में 13 प्रतिशत घटी एलपीजी की खपत, गैस सप्लाई भी प्रभावित

नई दिल्ली। भारत में रसोई गैस की खपत में मार्च महीने के दौरान तेज गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एलपीजी की खपत 13 प्रतिशत घटकर 2.379 मिलियन टन रह गई, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 2.729 मिलियन टन थी। यह गिरावट पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और सप्लाई में बाधा के कारण आई है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते आता है। -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल में प्रोटोकॉल तोड़कर झालमुड़ी की दुकान पर पहुंचे पीएम मोदी, बच्चों को भी खिलाया

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक अलग और सहज अंदाज झाड़ग्राम में देखने को मिला। चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद एसपीजी की भारी सुरक्षा तोड़ प्रोटोकॉल से बाहर निकल कर प्रधानमंत्री मोदी अचानक सड़क किनारे स्थित एक दुकान पर रुक

गए। इस दौरान उन्होंने झालमुड़ी (चावल का भुजा जो तेल प्याज और मिर्ची मिलाकर बनाया जाता है) का स्वाद लिया, बच्चों और महिलाओं को खिलाया। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री के अचानक रुकने से सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मी भी कुछ क्षणों के लिए चौंक गए, जबकि स्थानीय लोगों में उत्साह की लहर दौड़ गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को पश्चिम बंगाल में कई चुनावी सभाओं को संबोधित करने पहुंचे थे। झाड़ग्राम में जनसभा समाप्त करने के बाद वह अपने हेलीकॉप्टर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में सड़क किनारे लगी एक झालमुड़ी की दुकान -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

पवित्र मार्घेरिटा चार दिवसीय दौरे पर जाएंगे वानुअतु और तुवालु

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा ने रविवार को स्थानीय मीडिया से बातचीत में कहा कि वह चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर वानुअतु और तुवालु की यात्रा करेंगे। दौरे के दौरान मंत्री दोनों प्रशांत द्वीपीय देशों के नेतृत्व के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लेंगे। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होने की संभावना है। यह यात्रा प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ भारत की कूटनीतिक पहुंच को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिसके तहत आपसी सहयोग और साझेदारी के नए अवसर तलाशे जाएंगे।

अक्षय तृतीया बाल विवाह रोकने को तैनात रही विशेष टीमें

जींद (हिंस)। अक्षय तृतीया के अवसर पर रविवार को जिलाभर में कहीं भी बाल विवाह न हों, इसे लेकर जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम ने जींद, नरवाना, सफीदों, उचाना सहित अन्य जगहों पर दस्तक देती रही। सहायक बाल विवाह निषेध अधिकारी रवि लोहान ने बताया कि बाल विवाह रोकने के लिए विशेष टीमें गठित की गई थी जो हर सूचना पर कार्रवाई कर रही थी। बाल विवाह रोकने के लिए जिले के सामुदायिक केंद्र, वेंकेट हॉल, मैरिज पेलेस, प्रिंटिंग प्रेस संचालकों को पहले ही आगाह कर दिया गया था।

होर्मुज में गोलीबारी से ईरान का इनकार, कहा–

भारत से 5000 साल पुराने रिश्ते, जल्द सुलझेगा मामला

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में प्रतिनिधि, डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने हाल ही में होर्मुज जलडमरूमध्य के पास भारतीय झंडे वाले दो टैंकरों पर हुई फायरिंग की घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। डॉ. इलाही ने कहा कि उन्हें इस विशिष्ट घटना के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान और भारत के संबंध 5,000 साल पुराने और बेहद मजबूत हैं। उन्होंने आशा जताई कि इस मामले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा और ईरान हमेशा शांति का पक्षधर रहा है। शनिवार को *जग अर्नव* और *सनमार हेराल्ड* नामक दो भारतीय टैंकरों पर ईरान की नौसेना द्वारा गोलीबारी की गई। ये जहाज इराक से तेल लेकर आ रहे थे। इस गंभीर घटना पर भारत ने तत्काल और कड़ी प्रतिक्रिया दी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में ईरानी राजदूत डॉ. मोहम्मद फथली को तलब किया और अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश सचिव ने स्पष्ट किया कि भारत व्यापारिक जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। उन्होंने ईरान से आग्रह किया कि वह इस जलमार्ग से भारतीय जहाजों की आवाजाही को फिर से सुरक्षित और सामान्य बनाने के लिए कदम उठाए। ईरानी राजदूत ने दोहराया कि ईरान और भारत के सांस्कृतिक, सभ्यतागत और शैक्षिक संबंध बहुत गहरे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली और तेहरान के बीच आपसी बातचीत भी बहुत सफल रही है, जिससे दोनों देशों को लाभ मिलता है। राजदूत ने यह भी संकेत दिया कि वे भारत की चिंताओं को अपनी सरकार तक पहुंचाएंगे, ताकि भविष्य में शांतिपूर्ण और सुरक्षित समुद्री आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

सीईसी के खिलाफ नया नोटिस लाने की तैयारी में विपक्ष, बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्षी दल एक बार फिर से सक्रिय हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एक बार फिर प्रस्ताव लाने का फैसला किया है। यह निर्णय तब आया है जब विपक्ष ने संविधान (131 वां संशोधन) विधेयक को विफल कर दिया है। पहले दिए गए नोटिस खारिज होने के बावजूद विपक्ष ने इस मुद्दे पर नया दांव खेलने की तैयारी शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता इस दिशा में आपसी बातचीत कर रहे हैं और जल्द ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर नया प्रस्ताव लाने की योजना बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और डीएमके सहित कई दलों के कम से कम पांच वरिष्ठ सांसद मिलकर नए नोटिस का मसौदा तैयार कर रहे हैं। हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ है कि यह प्रस्ताव लोकसभा में लाया जाएगा या राज्यसभा में, या फिर दोनों सदनों में एक साथ पेश किया जाएगा, जैसा कि पिछली बार किया गया था। सूत्रों की मानें तो विपक्ष ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नए आरोपों को सूचीबद्ध करते हुए एक नया प्रस्ताव तैयार करेगा। संविधान संशोधन विधेयक पर लोकसभा में मिली जीत से उत्साहित विपक्ष को उम्मीद है कि इस बार हस्ताक्षरकर्ताओं की संख्या बढ़ेगी। नया प्रस्ताव अगले सप्ताह तक पेश किए जाने की संभावना है। इस बार विपक्ष अपने प्रयास को और मजबूत बनाना चाहता है। बताया जा रहा है कि विपक्षी दल कम से कम 200 सांसदों के हस्ताक्षर जुटाने की रणनीति बना रहे हैं। विपक्ष ने लोकसभा से कम से कम 200 सांसदों और राज्यसभा से लगभग 80 सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त करने की योजना बनाई है ताकि नए नोटिसों के माध्यम से एक संदेश दिया जा सके, जबकि उनके पिछले नोटिसों को 6 अप्रैल को विभिन्न आधारों पर खारिज कर दिया गया था। एक वरिष्ठ सूत्र के अनुसार, हम इस बार मजबूत संदेश देना चाहते हैं और यह दिखाना चाहते हैं कि पिछली बार समर्थन कम आंका गया था। इससे पहले दिए गए नोटिस में विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। इनमें चुनाव आयोग की स्वतंत्रता बनाए रखने में विफलता, कार्यपालिका के दबाव में काम करने और निष्पक्षता पर सवाल शामिल थे। इसके अलावा, चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी, डेटा साझा न करने और बिहार सहित कई राज्यों में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने जैसे आरोप भी लगाए गए थे। 12 मार्च को राज्यसभा के 63 सदस्यों और लोकसभा के 130 सदस्यों ने मुख्य आयुक्त के पद से कुमार को हटाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था।

टाटा ट्रस्ट का बड़ा फैसला

गैर-पारसियों के ट्रस्टी बनने पर लगी रोक हटेगी

नई दिल्ली। टाटा साम्राज्य की परोपकारी संस्था टाटा ट्रस्ट ने रविवार को एक दूरगामी फैसला लिया है। ट्रस्ट ने बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन (बाई हीराबाई ट्रस्ट) के ट्रस्टी बनने की पात्रता शर्तों में मौजूद भेदभावपूर्ण नियमों को बदलने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने का एलान किया है। इसमें सबसे प्रमुख मुद्दा गैर-पारसी व्यक्तियों के ट्रस्टी बनने पर लगी पाबंदी को हटाना है। कुछ दिनों पहले टाटा ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के पास एक शिकायत दर्ज कराई थी। मिस्त्री ने दिग्गज उद्योगपति वेणु श्रीनिवासन और पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह की बाई हीराबाई ट्रस्ट के बोर्ड में नियुक्ति को अवैध बताया था। उनका तर्क था कि ट्रस्ट की मूल अनुबंध के अनुसार, ट्रस्टी का पारसी जोरास्ट्रियन होना और मुंबई का निवासी होना अनिवार्य है, जबकि ये दोनों इन शर्तों को पूरा नहीं करते। विवाद बढ़ता देख 17 अप्रैल 2026 को टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा की अध्यक्षता में बोर्ड की बैठक हुई। बैठक में ट्रस्टियों ने कहा कि टाटा समूह की नींव समावेशी और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर टिकी है। ट्रस्ट ने बयान जारी कर कहा कि ट्रस्ट डीड की विसंगतियों को दूर करने और इसे टाटा ट्रस्ट्स के आदर्शों के अनुरूप बनाने के लिए, ट्रस्टियों ने उचित प्राधिकारी के समक्ष प्रतिबंधात्मक धाराओं में बदलाव की कार्यवाही अपनाने का निर्णय लिया है। टाटा ट्रस्ट का कहना है कि बाई हीराबाई ट्रस्ट का निर्माण 1916 में सर रतन टाटा की वसीयत के तहत हुआ था, जिसमें धर्म या जाति के आधार पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं थी।

मलेशिया के सैंडाकन में भीषण आग, एक हजार घर जलकर खाक, 9,000 लोग बेघर हुए

सैंडाकन। मलेशिया के सैंडाकन शहर में रविवार तड़के एक बड़ी आग लग गई, जिसने भारी नुकसान किया। यह आग सुबह करीब 1:30 बजे बाटू सापी इलाके के कम्पुंग बहागिया में शुरू हुई। आग इतनी तेजी से फैली कि करीब 1,000 घर जलकर खत्म हो गए और 9,007 लोग प्रभावित हुए। इसे सैंडाकन की सबसे बड़ी आग की घटनाओं में से एक माना जा रहा है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई। हालांकि, कुछ लोग अपने सामान बचाने या दूसरों की मदद करते समय हल्के घायल हुए हैं। यह इलाका लकड़ी के खंभों पर बने घरों की घनी बस्ती है। घर एक-दूसरे के बहुत पास बने होने के कारण आग तेजी से फैल गई। लोगों को घरों से बाहर निकलने का बहुत कम समय मिला और कई परिवार अपना सामान छोड़कर भागने को मजबूर हो गए। दमकल टीम को आग बुझाने में काफी दिक्कत आई। संकरी गलियों के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सीधे मौके तक नहीं पहुंच सकीं। यह इलाका समुद्र किनारे है। उस समय समुद्र में पानी कम था, जिससे पानी लेने में भी परेशानी हुई। तेज हवा और घरों के पास-पास होने से आग और भड़क गई। करीब 35 दमकलकर्मी सैंडाकन और किनाबाटांगन से पहुंचे और पानी के टैंकरों और पास की फैक्ट्री के हाइड्रेंट की मदद से आग बुझाने की कोशिश की। सुबह करीब 4 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया और इलाके को डिजास्टर एरिया घोषित किया गया है। सैंडाकन पुलिस ने बताया कि इस इलाके में करीब 1,200 घर हैं, जिनमें से लगभग 1,000 घर इस आग में प्रभावित हुए। उन्होंने इसे बहुत बड़ा और दुखद हादसा बताया। राहत के लिए तीन अस्थायी केंद्र बनाए गए हैं। पीपीआर सैंडाकन, पीपीआर बाटू सापी हॉल और एसके कम्पुंग गैस स्कूल। यहां पीड़ितों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है और उन्हें मदद दी जा रही है। आग लगने की वजह अभी साफ नहीं है। दमकल विभाग इसकी जांच कर रहा है। गांव के प्रमुख शरीफ हसीम ने कहा कि कई लोगों के पास राहत केंद्र तक जाने के लिए गाड़ी नहीं है, इसलिए उनके रहने की व्यवस्था अभी तय की जा रही है। स्थानीय विधायक एलियास सानी ने कहा कि सभी एजेंसियां मिलकर पीड़ितों तक जल्दी मदद पहुंचाने में जुटी हैं। यह घटना पूरे इलाके के लिए बहुत दुखद है।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल को 543 सीटों पर लागू करने की मांग की

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने रविवार को सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए महिला आरक्षण को तुरंत 543 सीटों पर लागू करने की मांग की है। दिल्ली कांग्रेस के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने यहां महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान राज्यसभा सांसद जयराम रमेश, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, दिल्ली महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह, कुंवर करण सिंह, सुरेंद्र कुमार, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली और छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की महिलाएं उपस्थित रहीं। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा की महिला विरोधी नीयत उजागर हो गई है। भाजपा ने देश की महिलाओं की आंखों में धूल झोंकने का काम किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण की आड़ में इनका असली लक्ष्य सिर्फ राजनीतिक परिसीमन करना था। ये पूरी तरह से भाजपा का एक चुनावी प्रोपेगेंडा था, जो अब जनता को समझ आ गया है। दीपेंद्र हुड्डा ने महिला आरक्षण बिल को तुरंत 543 सीटों में लागू कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हम सरकार को तब तक चैन की नींद सोने नहीं देंगे जब तक महिला आरक्षण देश में लागू नहीं हो जाता। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि हम भाजपा सरकार को महिला आरक्षण के कार्यान्वयन में देरी नहीं करने देंगे। इसे अब 543 सीटों पर लागू किया जाना चाहिए। कांग्रेस महिला आरक्षण बिल में देरी नहीं होने देंगी।

पृष्ठ एक का शेष

तेहरान का रुख साफ...

लेकिन ईरानियों के लिए नहीं। यही बात हमें चुभ गई। और दुर्भाग्य से वह अभी भी बातचीत के जरिए कूटनीतिक तमाशे कोशिश कर रहा है। ईरानी संसद के अध्यक्ष ने शनिवार रात कहा कि अमेरिका के साथ शांति वार्ता में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन दोनों पक्ष अभी भी समझौते से कोसों दूर हैं। मोहम्मद बाघर गालिबफ ने राष्ट्रीय संबोधन में कहा कि हम अभी भी अंतिम चर्चा से काफी दूर हैं। ईरान की सेना शनिवार को घोषणा कर चुकी है उसने होर्मुज जलडमरूमध्य पर फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया है। उसने चेतावनी दी कि जब तक ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिका की नाकेबंदी जारी रहेगी, तब तक वह इस जलमार्ग से आवाजाही को रोकता रहेगा। ब्रिटिश सेना ने इस दौरान कहा कि दो ईरानी गनबोटों ने जलडमरूमध्य में एक टैंकर पर गोलीबारी की। भारत ने भी पुष्टि की कि ईरान के हमलों में उसके दो जहाजों को निशाना बनाया गया। इस बीच इजराइली सेना ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में लड़ाई के दौरान उसके एक सैनिक की मौत हो गई। साथ ही घायल नौ सैनिकों में से एक की हालत गंभीर है। मारे गए इजराइली सैनिक की पहचान सार्जेंट फर्स्ट क्लास लिडोर पोरात के रूप में हुई। इसके साथ ही लेबनान में चल रहे ताजा युद्ध में मारे गए इजराइली सैनिकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। कहा जा रहा है कि इजराइल ने संघर्ष विराम के बावजूद दक्षिणी लेबनान पर हमले किए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लेबनान में हुए उस हमले के लिए हिज्बुल्लाह को जिम्मेदार ठहराया है, जिसमें फ्रांस का एक शांति-रक्षक सैनिक मारा गया। इस सशस्त्र समूह ने इस आरोप से इनकार किया है।

असम में हो सकती ...

मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस) के अनुसार, जलवायु संकेतक दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति विकसित होने की संभावना जता रहे हैं । अल नीनो, जो मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि से पहचाना जाता है, आमतौर पर भारत में मानसून की वर्षा को कमजोर कर देता है। हालांकि, हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) में वर्तमान तटस्थ स्थिति के मौसम के अंत में सकारात्मक चरण की ओर बढ़ने की संभावना है। सकारात्मक आईओडी, जिसमें पश्चिमी हिंद महासागर पूर्वी भाग की तुलना में अधिक गर्म हो जाता है, आमतौर पर भारत में वर्षा के लिए अनुकूल माना जाता है और अल नीनो के कुछ प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकता है। इस बीच, असम में मानसून से पहले की बारिश सामान्य से काफी अधिक रही है। राज्य में मार्च में 72.6 मिमी के सामान्य स्तर के मुकाबले 166.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 129 प्रतिशत अधिक है। 1 मार्च से 16 अप्रैल तक बारिश सामान्य से 68 प्रतिशत अधिक रही। इस क्षेत्र में हाल के वर्षों में लंबे समय तक सूखा पड़ा है। 2025 में, पूर्वी और उत्तरपूर्वी भारत में 1,089.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो 125 वर्षों में दूसरी सबसे कम वर्षा है, इससे पहले 2013 में 1,065.7 मिमी वर्षा हुई थी।

भाजपा असम में शतक...

कल्याणकारी योजना, लक्ष्मी भंडार पर हमला करते हुए शर्मा ने पूछा कि क्या देवी लक्ष्मी इतनी कम राशि देती हैं? अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो हम 3,000 रुपए के मासिक वजीफे के साथ *मां अन्नपूर्णा भंडार* स्थापित करेंगे। घुसपैठ पर कड़ी चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और सीमा सुरक्षा को काफी मजबूत किया जाएगा। बंगाल की कानून व्यवस्था की स्थिति की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि यहां मा-माटी-मानुष की सरकार नहीं, बल्कि गुंडों का राज है। बेरोजगार युवाओं के लिए, उन्होंने नौकरी मिलने तक 3,000 रुपए के मासिक वजीफे की घोषणा की – एक ऐसा वादा जिसने राजनीतिक हलकों में पहले ही तीखी बहस छेड़ दी है। शर्मा ने कहा कि परिवर्तन निश्चित है; ममता बनर्जी का जाना अब केवल समय की बात है। इस रैली में सांसद मनोज टिग्गा, जिला अध्यक्ष मिथु दास और कई अन्य नेता और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

सोशल मीडिया पर भ्रामक ...

किसी भी भ्रामक या कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा तैयार अथवा छेड़छाड़ की गई सामग्री पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को तीन घंटे के भीतर कार्रवाई करनी होगी। साथ ही, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और प्रचार से जुड़े प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कृत्रिम रूप से तैयार या परिवर्तित सामग्री को स्पष्ट रूप से *कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित* या *डिजिटल रूप से परिवर्तित* के रूप में चिह्नित किया जाए और उसके स्रोत की जानकारी भी दी जाए। आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के दौरान सोशल मीडिया सामग्री की निगरानी की जा रही है। आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली, कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली या मतदान प्रक्रिया को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने वाली सामग्री पर संबंधित प्राधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है। चुनाव आयोग की तरफ से बताया गया है कि 15 मार्च को चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक 11 हजार से अधिक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट और यूआरएल की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें सामग्री हटाना, प्राथमिकी दर्ज करना, स्पष्टीकरण मांगना और खंडन शामिल हैं। इसके अलावा, आयोग ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों को दोहराते हुए कहा कि मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले के मौन अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार पर रोक रहेगी और सभी माध्यमों को इसका सख्ती से पालन करना होगा। आयोग ने बताया कि नागरिक, राजनीतिक दल और उम्मीदवार सी-विजिल माध्यम के जरिए आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत दर्ज कर सकते हैं। 15 मार्च से 19 अप्रैल के बीच इस माध्यम से 3 लाख 23 हजार 99 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 96 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा 100 मिनट की निर्धारित समय सीमा के भीतर किया गया।

देश को गुमराह ...

बनाना है। असम में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन भारत के चुनाव आयोग द्वारा परिसीमन अधिनियम के प्रावधानों के तहत, 2001 की जनगणना को आधार बनाकर किया गया था। अगस्त 2023 में अंतिम रूप दी गई इस प्रक्रिया में 126 विधानसभा और 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से निर्धारित किया गया, जिसमें जनसंख्या वितरण, भौगोलिक निकटता और प्रशासनिक सुविधा को युक्तिसंगत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का पुनर्गठन भी हुआ, जो उनकी जनसंख्या हिस्सेदारी को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है। अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में कई निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं में बदलाव हुए, जिससे राजनीतिक दलों के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि परिसीमन का उद्देश्य *संतुलन बहाल करना* और स्वदेशी समुदायों के लिए उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना था। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था को अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय बदलावों से उत्पन्न चिंताओं को दूर करने के लिए एक *अस्थायी उपाय* के रूप में वर्णित किया। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया की लगातार आलोचना की है, उनका आरोप है कि इससे कुछ खास समुदायों पर असमान रूप से असर पड़ता है और सत्ताधारी दल को फायदा होता है। उन्होंने इसे चुनावी क्षेत्रों के सीमांकन का मामला बताया है – एक ऐसा आरोप जिसे भाजपा ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रक्रिया का विरोध करने वाले लोग *असहज* महसूस कर रहे हैं क्योंकि इससे एक ऐसी व्यवस्था बाधित हो रही है जो ऐतिहासिक रूप से उनके पक्ष में काम करती आई है, और उन्होंने दोहराया कि यह कदम असम के लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है।

मणिपुर हिंसा : उखरुल में ...

अत्यंत दुखद बताया है। उन्होंने घोषणा की है कि इस मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी करेगी। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें आर्थिक मदद देने का भी आश्वासन दिया है। फिलहाल, गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम और मुख्यमंत्री खुद स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और सुरक्षाबलों ने हमलावरों को पकड़ने के लिए इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इस दुखद घटना के बाद अलग-अलग समूहों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। तंगखुल नागा लोंग की कार्यकारी समिति ने इस हमले के लिए कुकी समूहों को जिम्मेदार ठहराया है और घटना की कड़ी निंदा की है। दूसरी ओर, कुकी जो परिषद ने इन हत्याओं में अपने समुदाय की किसी भी तरह की संलिप्तता होने से पूरी तरह इनकार किया है। सरकार ने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की है ताकि माहौल और न बिगड़े।

तमिलनाडु की पटाखा...

फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किया गया। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने का काम जारी है। शुरुआती जांच में माना जा रहा है कि पटाखा बनाने के दौरान सुरक्षा मानकों में लापरवाही या केमिकल के गलत हैंडलिंग के कारण यह विस्फोट हो सकता है। हालांकि, घटना के असल कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने घटना पर संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही फैक्ट्री में सुरक्षा नियमों के पालन की भी जांच की जा रही है। तमिलनाडु में विरुधुनगर और शिवकाशी क्षेत्र पटाखा उद्योग के लिए जाना जाता है, लेकिन यहां पहले भी कई बार इस तरह के हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है। उधर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भीषण हादसे पर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर कहा कि तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में हुए इस हादसे में जानमाल की क्षति अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी गहरी संवेदना है। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। दरअसल, विरुधुनगर जिले के कट्टुनारपट्टी क्षेत्र में रविवार दोपहर एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 18 मजदूरों की मौत की आशंका जताई जा रही है, हालांकि प्रशासन ने अभी तक मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस दुर्घटना में छह लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। घटना के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हैं।

भारत में 13 प्रतिशत ...

लेकिन इस क्षेत्र में तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण सप्लाई प्रभावित हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आने वाली आपूर्ति भी बाधित हुई, जिससे सरकार को होटल और उद्योगों जैसे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति कम करनी पड़ी ताकि घरेलू रसोई गैस सुरक्षित रहे। घरेलू एलपीजी सिलिंडर की खपत भी मार्च में 8.1 प्रतिशत घटकर 2.219 मिलियन टन रह गई। वहीं, गैर-घरेलू उपयोग में भारी गिरावट दर्ज की गई, जो लगभग 48 प्रतिशत तक कम हो गई। बड़े स्तर पर यानी बल्क एलपीजी की बिक्री में भी 75 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। ऐसे में अब ये समझना ज्यादा जरूरी है कि भारत में सप्लाई को लेकर सरकार का स्टैंड क्या है और आंकड़ें क्या कहते हैं। इस बात को ऐसे समझिए कि प्रभावित हुई ऊर्जा सप्लाई के इतर भारत सरकार का कहना है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की सप्लाई सामान्य रही। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि खपत में कमी आई है। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने रिफाइनरियों को निर्देश दिया कि वे पेट्रोकेमिकल उत्पादन कम करके एलपीजी उत्पादन बढ़ाएं। इसके चलते घरेलू उत्पादन बढ़कर 1.4 मिलियन टन हो गया, जो पिछले साल 1.1 मिलियन टन था। बता दें कि पूरे वित्तीय वर्ष में एलपीजी की कुल खपत 6 प्रतिशत बढ़कर 33.212 मिलियन टन तक पहुंच गई, जो बताता है कि लंबे समय में मांग लगातार बढ़ रही है। इसके अलावा, विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत में लगभग कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया। वहीं पेट्रोल और डीजल की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई है, जिससे साफ है कि परिवहन क्षेत्र में मांग अभी भी मजबूत बनी हुई है। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया के तनाव ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाला है और इसका सबसे बड़ा प्रभाव रसोई गैस की उपलब्धता और कीमतों पर देखा जा रहा है।

बंगाल में प्रोटोकॉल ...

देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जैसे ही प्रधानमंत्री का काफिला रुका, मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रधानमंत्री वाहन से उतरकर सीधे दुकान पर पहुंचे और दुकानदार से झालमुड़ी बनाने को कहा। दुकानदार ने मुरमुरा, मसाला, मिर्च, तेल और अचार मिलाकर झालमुड़ी तैयार की। प्रधानमंत्री ने पहले वहां मौजूद कुछ बच्चों को खिलाया, उसके बाद स्वयं भी झालमुड़ी खाई। इस दौरान आसपास मौजूद लोग जय श्री राम और नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रधानमंत्री लोगों के बीच सहज भाव से दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह स्थानीय महिलाओं से बातचीत करते और हालचाल पूछते भी नजर आए। महिलाओं ने भी प्रधानमंत्री से मिलकर खुशी जताई। बताया जा रहा है कि जिस दुकान पर प्रधानमंत्री रुके, वह बिहार के गया जिले के विक्रम साह की है। विक्रम साह पिछले 12 वर्षों से झाड़ग्राम में झालमुड़ी की दुकान चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के आने की कोई पूर्व सूचना नहीं थी। अचानक काफिला रुका और प्रधानमंत्री उनकी दुकान पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनसे अच्छी झालमुड़ी बनाने को कहा कि जिसके बाद उन्होंने मसालेदार झालमुड़ी तैयार की। विक्रम साह ने बताया कि झालमुड़ी खाने के बाद प्रधानमंत्री ने उसकी तारीफ करते हुए कहा कि स्वाद बहुत अच्छा है। दुकान पर मौजूद लोगों के लिए यह पल यादगार बन गया। प्रधानमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भी इस पल की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि पश्चिम बंगाल में चार व्यस्त चुनावी रैलियों के बीच झाड़ग्राम में स्वादिष्ट झालमुड़ी का आनंद लिया। चुनावी माहौल के बीच प्रधानमंत्री का यह अंदाज अब राजनीतिक हलकों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी व्यस्तता के बीच प्रधानमंत्री का आम लोगों के बीच पहुंचना उनके लिए सुखद अनुभव रहा।

नलबाड़ी की नदी में ...

यह हादसा हो गया। मृतकों की पहचान पिंकी दास, गुड्डू डेका और दिव्यज्योति दोर्जी के रूप में की गई है। बताया गया है कि असावधानीवश नदी में गिरने के बाद तीनों डूब गईं। स्थानीय लोगों और बचाव दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर उन्हें निकालने का प्रयास किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

शिक्षा बोर्ड का ...

का मदरसा बोर्ड भंग कर नया प्राधिकरण लागू करने बात कही है। मुख्यमंत्री धामी रविवार को यहां अखण्ड परम धाम में स्वामी परमानंद गिरि के संन्यास दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षों से संचालित मदरसा बोर्ड को भंग कर दिया गया है। अब उसकी जगह उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है। इसके तहत सभी मदरसों को प्राधिकरण से मान्यता लेना अनिवार्य होगा और उत्तराखंड बोर्ड से संबद्धता भी जरूरी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 1 जुलाई 2026 से बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा और जो मदरसे इस पाठ्यक्रम को नहीं अपनाएंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सभी बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है, जिसमें आधुनिक विषय भी शामिल हों। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा और सुगमता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पिछले अनुभवों के आधार पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया गया है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेतृत्व की केंद्र सरकार की ओर से संसद में लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने 1 जुलाई 2026 से उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया गया है, जिसमें सभी जिले शामिल हैं। इस फैसले के तहत अब मदरसों को उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड से जुड़कर निर्धारित पाठ्यक्रम लागू करना होगाऔर राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के नियमों के तहत काम करना होगा।

अखिल गोगोई के बयान से असहमत देबव्रत सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा में विपक्षी दल कांग्रेस के नेता देबव्रत सैकिया ने रविवार को अखिल गोगोई द्वारा विभिन्न समुदायों के समर्थन को लेकर दिए गए बयान से असहमति जताई। सैकिया ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह गोगोई के इस कथन का समर्थन नहीं करते हैं, जिसमें कहा गया था कि कांग्रेस को बंगाली, ब्राह्मण, चाय जनजाति, हिताधिकारी और महिलाओं का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ब्राह्मणों और हिताधिकारियों सहित विभिन्न वर्गों का समर्थन प्राप्त हुआ है। सैकिया ने इस तरह के बयानों को वास्तविक स्थिति से अलग बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को राज्य में विभिन्न समुदायों का समर्थन मिल रहा है।

60 वर्षों में कांग्रेस ने महिला सशक्तिकरण के लिए कुछ नहीं किया : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। नारी शक्ति वंदन संशोधनी विधेयक 2026 के विरुद्ध कांग्रेस सह इंडी गठबंधन के द्वारा उठाए गये कदमों की असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एवं दरंग-उदालगुड़ी से लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया ने रविवार को कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 60 वर्षों में कांग्रेस ने महिला सशक्तिकरण के उत्थान के लिए कुछ भी नहीं किया। ये बातें रविवार को असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। असम प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अनुच्छेद 370 से तीन तलाक तक सभी का कांग्रेस ने सिर्फ और सिर्फ विरोध किया। 2029 को लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के साथ सम्मान देने का वादा किया। देश के विकास और महिला सशक्तिकरण की कांग्रेस और उसके सहयोगी दल शत्रु हैं। उन्होंने कहा कि 23 अप्रैल को गुवाहाटी में विशाल विरोध कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें विपक्षी पार्टियों के दुष्प्रचार को उजागर किया जाएगा। सैकिया ने कांग्रेस पर जनता के बीच झूठ और अवास्तविक कहानी पहुंचाने का आरोप लगाया। असम प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि *कांग्रेस का इतिहास महिलाओं का अपमान करने का है। कांग्रेस ओबीसी के नाम पर सिर्फ घड़ियाली आंसू बहा रही है।* उन्होंने कहा कि द्रौपदी मुर्मु जैसी आदिवासी महिला को हमने राष्ट्रपति निर्वाचित किया है। यह हमारी महिलाओं के प्रति सम्मान को दर्शाता है। संवाददाता सम्मेलन में मौजूद प्रदेश के वित्त मंत्री अजंता नेओग ने कहा कि महिला होने के नाते बीते कल (शनिवार) अपमान बोध महसूस किया था। द्रौपदी के प्रति किये गये अपमान के कारण ही कौरव का विनाश हुआ था। हम महिलाएं इस अपमान को कभी नहीं भूल सकतीं। मर्माहत जरूर हुई हैं। किंतु, हम निराश नहीं हैं। इस मौके पर उपस्थित अन्य नेताओं ने भी अपनी बातें रखीं। संवाददाता सम्मेलन में गुवाहाटी सांसद बिजुली कलिता मेधी, पूर्व सांसद क्वीन ओझा, पूर्व मंत्री रेखा रानी दास बोड़ो, बरपेटा से सांसद फणिभूषण चौधरी समेत अन्य कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

असम विस के उपाध्यक्ष ने की महिला बिल पर कांग्रेस की निंदा, मोदी का समर्थन

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा के उपाध्यक्ष नुमल मोमिन ने 18 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन का समर्थन करते हुए कहा कि संसद में महिला आरक्षण बिल का पास न होना विपक्ष, खासकर इंडियन नेशनल कांग्रेस के असली चेहरे को उजागर किया है। देश की आधी आबादी के अधिकार को लेकर मचे घमासान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मोमिन ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों के नेतृत्व वाले विपक्ष ने महिला सशक्तिकरण का समर्थन करने के बार-बार दावे करने के बावजूद इस बिल को खारिज कर दिया। उन्होंने इस कदम को एक शर्मनाक हरकत बताते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष अक्सर महिलाओं को सशक्त बनाने की बात तो करता है, लेकिन जब मौका आया तो वह कुछ कर नहीं पाया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भी आलोचना करते हुए, आरोप लगाया कि विदेश यात्राओं के दौरान वे भारत की छवि खराब करने की कोशिश करते हैं। मोमिन ने यह भी दावा किया कि विपक्ष का रवैया देश के विकास में बाधा डालने की मंशा दिखाता है, जो संसद में बिल पास न होने के बाद प्रधानमंत्री की टिप्पणियों से मेल खाता है।

रेसुब की त्वरित कार्रवाई से कई स्टेशनों पर चोरी के आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने विभिन्न स्थानों पर चलाए गए सफल अभियानों के जरिए यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को एक बार फिर प्रदर्शित किया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि बीते 13 अप्रैल को, रंगिया सीपीडीएस की एक टीम ने ट्रेन संख्या 15930 डाउन में सवार एक व्यक्ति को यात्री के सामान की चोरी में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से लगभग 40,000 रुपए मूल्य का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी को बरामद सामान सहित जीआरपी/रंगिया को सौंप दिया गया, जहां भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया। इसी बीच 14 अप्रैल को एक अन्य अभियान में, रेसुब / पोस्ट/कटिहार (पूर्व) के जवानों ने कटिहार रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसके पास से लगभग 15,000 रुपए मूल्य का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी को बाद में जीआरपी/कटिहार को सौंप दिया गया, जहां भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की उपयुक्त धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया। उसी दिन, सीपीडीएस/गुवाहाटी के रेसुब कर्मियों ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया। टीम ने उसके कब्जे से लगभग 15,000 रुपए मूल्य का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया। आरोपी को जीआरपी/गुवाहाटी को सौंप दिया गया, जहां भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया। अपनी कार्रवाई को और तेज करते हुए, 16 अप्रैल को रेसुब /पोस्ट/न्यू बंगाईगांव ने बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति से लगभग 10,000 रुपए मूल्य के एक चोरी के मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जीआरपी/न्यू बंगाईगांव को सौंप दिया गया।

महिला आरक्षण विधेयक के विरोध पर कांग्रेस-नीत इंडी गठबंधन पर एनडीए का हमला

गुवाहाटी (हिंस)। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के विरोध को लेकर एनडीए नेतृत्व ने कांग्रेस-नीत इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। एनडीए नेताओं ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए इस महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध किया जा रहा है। रविवार को अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि इंडी गठबंधन महिला सशक्तिकरण नहीं चाहता और इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष देश में महिला शक्ति के उत्थान को रोकना चाहता है। सैकिया ने यह भी कहा कि संसद के भीतर महिलाओं के प्रति न्यूनतम सम्मान और गरिमा भी कांग्रेस-नीत गठबंधन द्वारा नहीं दिखाई गई। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का विरोध कर विपक्ष ने देश की माताओं और महिलाओं के प्रति असम्मान का परिचय दिया है। एनडीए नेतृत्व ने दोहराया कि महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और विपक्ष पर संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के चलते प्रगतिशील सुधारों में बाधा डालने का आरोप लगाया।

सतिया में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

बिश्वनाथ (हिंस)। सतिया क्षेत्र में विभिन्न समय पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो शातिर चोरों को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। मामला उस समय सामने आया जब सतिया नगर पालिका का कचरा निष्कासन वाहन एक बालिका मध्य विद्यालय परिसर में खड़ा किया गया था। नगर पालिका के एक कर्मचारी ने वाहन की बैटरी गायब देखी और इसकी सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दी। सूचना के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में चोरी की पूरी घटना कैद हो गई, जिससे आरोपियों की पहचान करने में सहायता मिली। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रमजान अली और इंताज अली नामक दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

अखिल गोगोई ने परिणाम से पहले ही स्वीकार की हार : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने रविवार को विपक्षी नेता अखिल गोगोई पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले ही अपने इंडी गठबंधन की हार स्वीकार कर ली है। अखिल गोगोई के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सैकिया ने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणियां समाज को बांटने वाली मानसिकता को दर्शाती हैं। सैकिया आज भाजपा कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन के बाद पत्रकारों से विशेष बातचीत कर रहे थे। इंडी गठबंधन द्वारा आज आयोजित किए जा रहे भोज पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार बनाना तो दूर की बात है, कांग्रेस के लिए यह *अंतिम भोज* साबित होगा। भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि 4 मई के बाद कांग्रेस *आईएनसी (एम)* बनकर रह जाएगी, जिससे उनका आशय पार्टी के सिकुड़ते जनाधार (एम से उनका तात्पर्य सिर्फ मुस्लिम समुदाय के बीच) से था। सैकिया के अनुसार, कांग्रेस का अस्तित्व अब केवल मुस्लिम बहुल क्षेत्रों तक सीमित रह गया है, जबकि असमिया बहुल इलाकों में पार्टी और इंडी गठबंधन का कोई प्रभाव नहीं बचा है। उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने तथा स्वदेशी विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन कारणों से राज्य में कांग्रेस का जनाधार और कमजोर हो गया है।

श्रीरामपुर में दो करोड़ रुपए के ड्रग्स जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत श्रीरामपुर क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ एक वाहन को जब्त किया है। इस अभियान के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जो कथित रूप से ड्रग्स की तस्करी में संलिप्त था। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि उप-मंडल पुलिस अधिकारी मोंटूराम बोरा और शिमुलटापू पुलिस चौकी के अधिकारी संजीव हैंडिक के नेतृत्व में बीती रात गुजरात पंजीकरण संख्या जीजे-01एचडब्ल्यू-6169 वाली मारुति कार के ईंधन टैंक से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया। यह वाहन सिलचर से गुवाहाटी होते हुए राजस्थान की ओर जा रही थी। पुलिस ने मौके से वाहन चालक और तस्कर के रूप में पहचान किए गए राजस्थान के जोधपुर निवासी कृष्णाराम प्रजापत को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जब्त किए गए ड्रग्स की बाजार कीमत लगभग दो करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

रंगिया : प्राचीन शनि मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए भूमि पूजन संपन्न

रंगिया (विभास)। रंगिया के वार्ड नंबर 7, मिल रोड स्थित प्राचीन शनि मंदिर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ शनिवार को विधिवत रूप से किया गया। मंदिर के नए भवन निर्माण हेतु आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम वैदिक रीति-रिवाजों और मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ। बताया गया है कि यह मंदिर वर्ष 1974 में स्व. सागरमल घासीराम सीकरीया द्वारा स्थापित किया गया था। वर्तमान में मंदिर का ढांचा अत्यंत जीर्ण-शीर्ण हो चुका है। पूर्वजों द्वारा स्थापित इस मंदिर को संरक्षित करने के उद्देश्य से स्व. सीकरीया के वंशज एवं समाजसेवी मुकेश सिकरिया तथा उनके परिवार ने पुनरुद्धार का संकल्प लिया है। शनिवार को मुख्य यजमान के रूप में मुकेश सिकरिया सपत्नीक नमिता सिकरिया ने वैदिक अनुष्ठान के साथ भूमिपूजन संपन्न कराया। मालूम हो कि मंदिर का नवनिर्माण लगभग 15 से 20 लाख रुपए की लागत से होगा। नगर के मध्य स्थित इस प्राचीन मंदिर के प्रति भक्तों की गहरी श्रद्धा है, जहां प्रतिदिन भक्तों का तांता लगा रहता है। विशेषकर शनिवार एवं धार्मिक पर्वों पर यहां मेले सा उत्सवपूर्ण वातावरण होता है। श्रद्धालुओं के आस्था का प्रतीक इस मंदिर के जीर्णोद्धार की प्रतीक्षा वर्षों से हो रही थी। शनिवार को भूमि पूजन के

अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। इस मौके पर महेश सिकरिया, हरिराम क्याल, कैलाश चंद काला, योगेश शर्मा, दिनेश महेंतों, सुबल पाल सहित कई गणमान्य तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

व्यक्तिगत शिक्षा पद्धति को आज की शैक्षिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान मिला : पंकज पल्लव शर्मा

रंगिया एडुकेयर इंस्टीट्यूट के छात्रों की सफलता

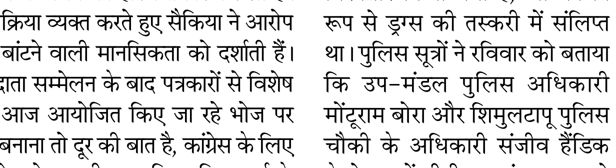

रंगिया (विभास)। व्यक्तिगत शिक्षा व्यवस्था आज की शैक्षिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर रही है। दसवीं कक्षा की अंतिम परीक्षा में अच्छा परिणाम प्राप्त करने के लिए आज भी छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत शिक्षा व्यवस्था का महत्व देना चाहिए। आज रंगिया के एक प्रमुख शैक्षिक संस्थान एडुकेयर कोचिंग इंस्टीट्यूट के शुभेच्छा प्रदान समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आसन ग्रहण करते हुए अपने भाषण में इस प्रकार कहा कि यूक्लिड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पंकज पल्लव शर्मा ने। केंद्र के संचालक तथा गणित विषय के शिक्षक कुलदीप कलिता द्वारा संचालित समारोह में उच्च माध्यमिक अंतिम परीक्षा में केंद्र के श्रेष्ठ छात्र-धीमान शाले (97.2 प्रतिशत), पीयुष पराशर (95.06 प्रतिशत), स्वप्ननील कश्यप (94.प्रतिशत), रिजवान इस्लाम (93 प्रतिशत), दिया दे (93 प्रतिशत), टानीश कबीर (90 प्रतिशत), अरजुमा फरहान (88.4 प्रतिशत), दिशा कश्यप (87 प्रतिशत), प्रांजल राजवंशी (82 प्रतिशत), माधुरी पटवारी को (80 प्रतिशत) मिला। इन सभी छात्र-छात्राओं को फूलाम गामोछा और किताबे देकर शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम के दौरान असमिया समाचार पत्र नियमिया वार्ता रंगिया के पत्रकार फारूक हुसैन ने छात्र-छात्राओं को जीवन के महत्वपूर्ण समय में सही ढंग से आगे बढ़ने का आह्वान किया। पत्रकार महेंद्र कलिता ने छात्र-छात्राओं को उद्देश्यपूर्ण भाषण दिया। आज के समारोह में तापस समादार, सैयद मुस्तफा अहमद, बंदना शर्मा, इंताज लक्खी, इनामुल हुसैन, शफीकुल हक, तृष्णा दास, हेमेन कलिता आदि विशिष्ट व्यक्तियों के साथ केंद्र के शिक्षक-छात्र-छात्रा वृंद उपस्थित रहे।

यूपीपीएल सांसदों की मांग : पूर्वोत्तर और बीटीसी के लिए बने विशेष लोकतांत्रिक ढांचा

कोकराझाड़ (विभास)। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) के सांसदों ने भारत सरकार, राजनीतिक दलों और संवैधानिक विशेषज्ञों से पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद (बीटीसी) की विशिष्ट लोकतांत्रिक आवश्यकताओं को पहचानने की अपील की है। संसद में हाल ही में पेश किए गए, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक 2026 पर चर्चा के बीच यूपीपीएल ने इस क्षेत्र के भविष्य को लेकर अपनी चिंताएं साझा की हैं। परिसीमन का आधार केवल जनसंख्या न हो। राज्यसभा सांसद प्रमोद बोरो, रंगवरा नार्जारी और लोकसभा सांसद रंगवरा नार्जारी ने संयुक्त बयान में कहा कि परिसीमन प्रक्रिया में केवल जनसंख्या को ही एकमात्र पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि पूर्वोत्तर के ऐतिहासिक कम प्रतिनिधित्व को सुधारने के लिए विशेष प्रावधान किए जाएं। सांसदों ने जोर देकर कहा कि *बोड़ो शांति समझौते* के तहत बीटीसी को दी गई संवैधानिक सुरक्षा और छठी अनुसूची (छठी अनुसूची) के तहत मिली स्वायत्तता का सम्मान किया जाना चाहिए। किसी भी नए सुधार से इन अधिकारों पर आंच नहीं आनी चाहिए। छठी अनुसूची परिषदों को मिले महत्व: पार्टी ने आग्रह किया कि प्रतिनिधित्व के किसी भी नए ढांचे में छठी अनुसूची के तहत आने वाली परिषदों को उचित स्थान दिया जाए। महिला भागीदारी और समावेशिता: लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने के लिए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और पूर्वोत्तर की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रखर बनाने पर बल दिया गया। भारत का लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब पूर्वोत्तर को पूर्ण प्रतिनिधित्व मिलेगा। वर्तमान संवैधानिक सुधारों का उपयोग समावेश, न्याय, शांति और संतुलित संघवाद के लिए एक उपकरण के रूप में किया जाना चाहिए। यूपीपीएल ने स्पष्ट किया कि बीटीसी में दीर्घकालिक शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए *बोड़ो शांति समझौते* की भावनाओं का सम्मान करना अनिवार्य है। पार्टी ने केंद्र सरकार से अपील की है कि सुधारों की इस प्रक्रिया में क्षेत्रीय संवेदनशीलता और जनजातीय अधिकारों को प्राथमिकता दी जाए।

रुनीखाटा मामले में 21 लोग गिरफ्तार, सुरक्षा कड़ी

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के रुनीखाटा फॉरेस्ट कार्यालय में हुई आगजनी की घटना के सिलसिले में पुलिस ने रविवार को छह और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही अब तक कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले शुक्रवार रात 15 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जबकि आज छह अन्य संदिग्धों को पकड़ा गया। यह हिंसा 17 अप्रैल को उस समय भड़की थी, जब अतिक्रमण हटाने और वन भूमि को खाली कराने के अभियान के खिलाफ स्थानीय कुछ आदिवासियों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि अतिक्रमण हटाने की इस कार्रवाई के दौरान 16 अप्रैल को करीब 25 लोगों को गिरफ्तारी के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ गया, जो बाद में हिंसक रूप ले बैठा। उग्र भीड़ ने रुनीखाटा स्थित वन विभाग के कार्यालय परिसर में कई वाहनों और संपत्ति को आग के हवाले कर दिया।

संपादकीय

हार में जीत

लोकसभा में महिला विधेयक को पारित करने के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी किंतु सत्ता पक्ष को मात्र 298 वोट मिले जबकि विपक्ष ने एकजुट होकर 230 वोटों से इस विधेयक को पारित होने से रोक दिया। सीधे और सरल नजरिए से देखें तो यह मामला सत्ता पक्ष की हार और विपक्ष की जीत है जबकि राजनीतिक नजरिए से देखें तो यह मामला पेचीदा हो गया है। सत्ता पक्ष महिलाओं की सहानुभूति हासिल करने के लिए इस हार को हथियार बनाने में जुटा है। जाहिर सी बात है कि विपक्ष उत्साहित और खुश हुआ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तो सरकार पर तंज भी कसा। प्रियंका ने जो बात लोकसभा में कही वही बात उन्होंने शनिवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान भी दोहराई कि महिलाएं मूर्ख नहीं हैं। लेकिन मानना पड़ेगा कि प्रियंका को इस बात का एहसास हो गया था कि सरकार ने विपक्ष को फंसाने के लिए ही यह विधेयक पेश किया है। हारा तो हाय, हाय जीता तो जय-जय। दरअसल मोदी सरकार की लोकसभा में 2 तिहाई बहुमत नहीं है फिर भी उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक पेश किया तो जरूर इसका कोई न कोई कारण होगा। बस, यही बात तो विपक्ष की समझ में आ नहीं रही है। सत्ता पक्ष यह संदेश देना चाहता है कि विपक्ष महिला हितों के खिलाफ है। शनिवार को अपने राष्ट्र के नाम संदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन विधेयकों के पारित होने के बाद महिलाओं को होने वाले हितों की जो जानकारी दी और यह भी कहा कि यदि महिलाएं इन हितों से वंचित होती हैं तो इसके लिए, सीधे जिम्मेदार कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी होंगी। मजे की बात तो यह है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में हो रहे चुनावों में भाजपा का इन्हीं पार्टियों से मुकाबला है। अब भाजपा के छोटेबड़े नेता महिला विधेयक का नाम लेकर इन सभी पार्टियों पर निशाना साधेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहस के दौरान ही इस बात का संकेत दे दिया था कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता है तो सभी को फायदा होगा किंतु यदि नहीं पारित हुआ तो उन पार्टियों को नुकसान होना तय है। अब भाजपा और उसके साथी दलों की कोशिश यही होगी कि वह एक ही बात दोहराएं कि यदि उन्हें दो तिहाई बहुमत मिला होता तो लोकसभा में यह विधेयक न गिरता। सच तो यह है कि जब संविधान संशोधन के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी तो सत्ता पक्ष के फ्लोर मैनेजरों की समझ में यह बात क्यों नहीं आई कि यदि विधेयक गिरा तो उनका उपहास होगा। इसका यही कारण है कि सरकार इस विधेयक को पेश करके विपक्ष के राजनीति का आकलन करने में लग गई। आज का विपक्ष यह नहीं समझता कि कभी कभी उसे भी जनता में अपनी छवि को जन हितैषी साबित करने के लिए सरकार के साथ सहयोग करना भी जरूरी होता है। कई ऐसे अवसर भी आए हैं जब सत्ता और विपक्ष दोनों ने एकमत से बिल को पारित कर दिया। ऐसे मामलों में श्रेय सरकार एकतरफा नहीं ले पाती। रही बात संविधान संशोधन को गरिमा से जोड़ना की तो यदि यह सही है तो ज्यादा से ज्यादा संविधान में संशोधन उस पार्टी ने किया जो लंबे समय से सत्ता में रह चुकी है और आज कल विपक्ष में है तो वह संविधान में संशोधन को संविधान की गरिमा का हनन बता रही है। यह एक मजाक से ज्यादा कुछ भी नहीं है। संविधान में पहला संशोधन तो 1956 में ही करके प्रेस पर आपत्तिजनक विषय वस्तु छापने पर पाबंदी लगा दी गई और 1975 में 42वें संशोधन ने तो संविधान की जान ही निकाल ली थी जिसे 1977 में फिर से कुछ संशोधनों का निरसन हुआ। वास्तविकता तो यह है कि संविधान में संशोधन जरूरत के मुताबिक होता है। बहरहाल यदि सरकार चाहे कि यह विधेयक हर हाल में पारित होना ही चाहिए तो संविधान के अनुच्छेद 108 में इस बात का प्रावधान है कि सरकार संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन बुलाए और दो तिहाई बहुमत से इस महिला संबंधी विधेयक को पारित करके अपने संकल्प का प्रदर्शन कर सकती है। किंतु सरकार को तो इस हार को जीत में बदलना है, इसीलिए वह विपक्ष को महिला विरोधी साबित करने के लिए हर कोशिश में व्यस्त है। कारण कि राजनीति विशुद्ध रूप से कला है जिसे कुछ सामान्य भाषा में तिगड़म भी कहा जाता है। इसलिए हार को जीत में बदलने का प्रयास और उसमें सफल होने वाला ही कुशल राजनेता माना जाता है।

सत्ता पक्ष महिलाओं की सहानुभूति हासिल करने के लिए इस हार को हथियार बनाने में जुटा है। जाहिर सी बात है कि विपक्ष उत्साहित और खुश हुआ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने तो सरकार पर तंज भी कसा। प्रियंका ने जो बात लोकसभा में कही वही बात उन्होंने शनिवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान भी दोहराई कि महिलाएं मूर्ख नहीं हैं। लेकिन मानना पड़ेगा कि प्रियंका को इस बात का एहसास हो गया था कि सरकार ने विपक्ष को फंसाने के लिए ही यह विधेयक पेश किया है। हारा तो हाय, हाय जीता तो जय-जय। दरअसल मोदी सरकार की लोकसभा में 2 तिहाई बहुमत नहीं है फिर भी उन्होंने संविधान संशोधन विधेयक पेश किया तो जरूर इसका कोई न कोई कारण होगा। बस, यही बात तो विपक्ष की समझ में आ नहीं रही है। सत्ता पक्ष यह संदेश देना चाहता है कि विपक्ष महिला हितों के खिलाफ है। शनिवार को अपने राष्ट्र के नाम संदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन विधेयकों के पारित होने के बाद महिलाओं को होने वाले हितों की जो जानकारी दी और यह भी कहा कि यदि महिलाएं इन हितों से वंचित होती हैं तो इसके लिए सीधे जिम्मेदार कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी होंगी। मजे की बात तो यह है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में हो रहे चुनावों में भाजपा का इन्हीं पार्टियों से मुकाबला है। अब भाजपा के छोटेबड़े नेता महिला विधेयक का नाम लेकर इन सभी पार्टियों पर निशाना साधेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहस के दौरान ही इस बात का संकेत दे दिया था कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता है तो सभी को फायदा होगा किंतु यदि नहीं पारित हुआ तो उन पार्टियों को नुकसान होना तय है। अब भाजपा और उसके साथी दलों की कोशिश यही होगी कि वह एक ही बात दोहराएं कि यदि उन्हें दो तिहाई बहुमत मिला होता तो लोकसभा में यह विधेयक न गिरता। सच तो यह है कि जब संविधान संशोधन के लिए दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी तो सत्ता पक्ष के फ्लोर मैनेजरों की समझ में यह बात क्यों नहीं आई कि यदि विधेयक गिरा तो उनका उपहास होगा।

कुछ अलग

संकल्प से सफलता

हिंदी साहित्य जगत को 'गोदान' जैसा कालजयी उपन्यास और कई कहानियां देने वाले प्रेमचंद पहले सिर्फ उर्दू में लिखते थे और वह भी 'नवाब राय' नाम से। तब उन्हें हिंदी बिल्कुल नहीं आती थी। उनके उर्दू कहानी-संग्रह 'सोज-ए-वतन' पर जब अंग्रेज सरकार ने पाबंदी लगा दी तो उन्होंने अपना नाम नवाब राय से बदलकर प्रेमचंद रख लिया और भविष्य में केवल हिंदी में कलम चलाने की ठानी। उनके इस निर्णय की जानकारी जब किसी साहित्यिक मित्र को मिली तो वे पूछ बैठे कि हिंदी तो आपको बिल्कुल नहीं आती, फिर आप हिंदी में लिखेंगे कैसे? इस पर प्रेमचंद बोले, 'उर्दू और हिंदी जुबान में कोई बुनियादी फर्क तो है नहीं, बस लिपि का फर्क है। इंसान हिम्मत करे तो कोई काम मुश्किल नहीं है... और मुझे पूरा भरोसा है कि जल्द ही मैं देवनागरी लिपि सीख लूंगा।' प्रेमचंद की कही बात सही निकली और हिंदी साहित्य जगत सदा- सदा के लिए उनका ऋणी हो गया।

लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू- कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था।

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। 'द कश्मीर फाइल्स' नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे 'अर्बन नक्सल' कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था। नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत

भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं। तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा। 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है। मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं। जंगलों, खेतों-खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नैरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती हैं। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सत्ताएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इसीलिए पस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है। जब तक ऐसे कदम नहीं उठाए जाएंगे, जंगलों और आदिवासी इलाकों की बंदूकें भले ही शांत हो जाएं, सामाजिक तौर पर वाम वैचारिकी मजबूत उपस्थिति बनाए रखेगी और अगर वह प्रभावी रही तो देर-सवेर किसी और रूप में फिर से लाल आतंक को सिर उठाने के लिए प्रेरित करेगी।

देश दुनीया से

नीतीश कुमार युग की उपलब्धियां

कुछ दिन पर पूर्व बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश बुमार का त्यागपत्र हुआ और उससे पहले उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण किया, यह घटनाव्रम कुछ वर्ष पूर्व उनके गुरु जॉर्ज फर्नांडिस के साथ हुए घटनाव्रम की याद दिलाता है। जब वे लोकसभा का चुनाव हारने के बाद अस्वस्थ होते हुए भी राज्यसभा के लिये नामित किए गए तो नीतीश बुमार ने इस घटना को अपने गुरु जारी फर्नांडिस के प्रति गुरु दक्षिणा की संज्ञा दी थी। कुछ कुछ इसी तरह की घटना नीतीश बुमार जी के साथ हो रही है लेकिन यह भी सत्य है कि श्री नीतीश बुमार ने एक राजनेता और प्रशासक के रूप में अटल बिहारी सरकार में वृषि मंत्री के रूप में रेल मंत्री के रूप में और लगभग 20 वर्षो तक बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में जो उपलब्धियां हासिल की है उनको भुलाया नहीं जा सकता । इसलिए एक मुख्य एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी उपलब्धियां की व्याख्या करना अत्यंत आवश्यक है और यह देखना है कि उनके उत्तराधिकारी के रूप में उत्तराधिकार के रूप में सम्राट चौधरी क्या उन उपलब्धियां के आसपास भी पहुंच पाएंगे। वर्ष 2002 में हमे दरभंगा में एक व्रिकेट आयोजन में जाना पड़ा, इसका आयोजन वहां के तत्कालीन सांसद कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम आजाद द्वारा संचालित एनजीओ कर रही थी हमारे साथ दिल्ली से टेस्ट खिलाड़ी रहे अजय जडेजा, गुरु शरण सिह और अंपायर एस के बंसल व्रिकेट कोच व ग्राउंड स्टाफ था, पटना से दरभंगा सड़क मार्ग के रास्ते जाते समय हमारी गाडी ऐसा लग रहा था सड़क पर नहीं गड्ढों में चल रही है वहां पहुंचते पहुंचते सब की हालत खराब हो गई थीं और कहने को हम दरभंगा के सबसे अच्छे होटल में रुके थे पर वह 24 घंटे में से 12 घंटे से ज्यादा बिजली गायब रहती थी और यह टूर्नामेंट गांव से आईं हुईं टीमों के बच्चों की जूनियर टीमें के लिए था पर बच्चों की आयु को लेकर कोई भी छूट भैया हमे धमका देता था और फ़ाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में लालू प्रसाद को की उपस्थिति में अंपायर के एक पैसले को लेकर इतना हंगामा हुआ कि पुलिस आई और जिले के एस पी के देख रेख में मैच सम्पन्न हुआ पर आज हम प्रायः बिहार जाते हैं और सड़क के साथ साथ कानून व्यवस्था सुधरी हुईं है और इसका श्रेय नितीश जी के दो दशक के शासन को जाता है। नीतीश कुमार ने वर्ष 2005 में बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में कानून व्यवस्था सुधारने, इंप्रास्ट्रक्चर विकसित करने और महिला सशत्तिकरण के माध्यम से राज्य को सुशासन की

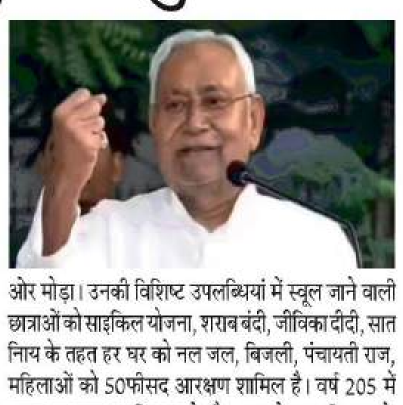

ओर मोड़ा। उनकी विशिष्ट उपलब्धियां में स्वूल जाने वाली छात्राओं को साइकिल योजना, शराब बंदी, जीविका दीदी, सात निाय के तहत हर घर को नल जल, बिजली, पंचायती राज, महिलाओं को 50फीसद आरक्षण शामिल है। वर्ष 205 में कानून का राज स्थापित करने और न्याय के साथ विकास के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया समाज के सभी वर्गो को साथ लेकर उन्होंने सुशासन पारदर्शिता एवं समावेशी विकास की सिद्धांतों पर शासन की नींव रखी उन्होंने पूरी ईमानदारी और लगन से सुशासन के कार्यव्रम पर आधारित नीतियों, कार्यव्रम एवं योजनाओं का कार्यवंयन किया और उनकी उपलब्धियां संभावनाओं एवं चुनौतियां से भरपूर कार्यकाल को जनता का भरपूर समर्थन मिला। कुछ वर्षो की अवधि में ही नितीश वुमार ने सार्वजनिक संस्थाओं और व्यवस्थाओं का पुर्ननिर्माण किया। इस सफर में जहां एकओर प्रभावी विधि व्यवस्था, कानून का राज स्थापित करने में सफलता प्राप्त की वहीं दूसरी ओर मानव संसाधन के साथ-साथ उत्तम आधार भूत संरचना के विकास में कई ऊंचाइयां हासिल की। लोगों के मन में सुरक्षा एवं निाय का माहौल बना जिसका प्रभाव राज्य के शहरों तथा गांव में आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों में दिखाई पड़ता है। समाज के कमजोरऔर साधन विहीन एवं विकास से वंचित वर्गो को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने बिहार के विकास की एक नईं दिशा की परिकल्पना की। जिसकी तारीफ सत्ता पक्ष के साथ साथ विपक्षी भी करते है। राज्य में विधि व्यवस्था बहाल कर कानून का राज्य स्थापित करना नीतीश वुमार की सर्वोच्च प्राथमिकता थी। बिना किसी भेदभाव के कानूनी प्रावधानों और वैदिक प्रव्रियाओं का पालन करते हुए उन्होंने अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों को निष्प्रभावी करने के लिए ठोस व्यवस्था लागू की। संगठित अपराध पर अंवुश लगाया। न्यायालयों से समन्वय स्थापित कर त्वरित विचरण प्रणाली की व्यवस्था लागू की गईं संख्या के अनुपात में पुलिस बल की नियुत्ति सहित पुलिस के सभी आवश्यक संसाधनों के साथ-साथ उनके आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया। जिस बिहार में स्वूलों में शिक्षकों की अत्यधिक कमी थी वहां हजारों की संख्या में शिक्षकों की बहाली हुईं। असामाजिक तत्वों द्वारा सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा करने की कोशिश की गईं तो उन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए संवाद कायम कर इन घटनाओं को नियंत्रित किया इन प्रभावी कदमों से एक ओर नागरिकों के मन में सुरक्षा का भाव जागा वहीं दूसरी ओर अपराधियों में कानून का डर स्थापित हुआ और पूरे प्रदेश में लोग कभी भी और कहीं भी अपने घरों से निकाल कर जा सकते थे। अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की निति के तहत भ्रष्टाचार के विरुद्ध नीतीश वुमार जी की मुहिम सदैव जारी रही। कानूनी एवं संस्थागत व्यवस्था कर भ्रष्ट लोक सेवकों के विरुद्ध प्रभावकारी कार्यवाही सुनिाति की गईं। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो विशेष निगरानी इकाईं और आर्थिक अपराध इकाईं के द्वारा भ्रष्टाचार में संलिप्त, आय से अधिक संपत्ति रखने वाले, पद का दुरुपयोग करने वाले लोक सेवकों के विरुद्ध मामले दर्ज कर उन्हें सजा दिलवाईं गईं और उनके द्वारा अवैध रूप से र्अजित संपत्ति को जप्त करने की ठोस कार्रवाईं की गईं। देश में पहली बार जप्त अवैध सम्पत्ति के भवनों में गरीब और नि शत्त बच्चों के लिए विद्वालय खोले गए, यहां तक कि भ्रष्टाचार में नाम आने पर अपनी ही सरकार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का त्यागपत्र लेने पर अड़ गए और उनके द्वारा त्यागपत्र न दिए जाने पर राष्ट्रीय जनता दल से अपना एलायंस तोड़ लिया और तमाम आलोचनाओं की परवाह न करते हुए भारतीय जनता पाटा के साथ मिलकर एक स्थाईं सरकार बनाईं। सामाजिक न्याय नितीश वुमार की प्राथमिकताओं में सर्वोच्च रही है। वह पहले मुख्यमंत्री थे जिन्होंने अपने राज्य में महादलित को परिभाषा किया। उन्होंने अनुसूचित जातियों में दलित और महादलित की पहचान की। महा दलित विशेषकर सदियों से उपेक्षित और तिरस्वृत मुसहर समाज को मुख्य धारा में लाने के लिए कईं कानून बनाए और घुमंतू जीवन व्यतीत करने वाले मुसहरों को तीन डिसमिल जमीन देने का कानून बनाया, दुर्भाग्य वश मुसहर समाज के नेताओं और सरकारी अधिकारियों की लापरवाही से यह योजना पूर्ण रूप से पूरी नहीं हो पाईं। मुसहरों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए वर्ष 2014 में मुख्यमंत्री पद त्याग कर मुसहर समाज से आने वाले अपने मंत्री जीतन राम मांझी को बिहार का मुख्यमंत्री बना दिया।

आप का नजरीया

जंग जब जरिया बन जाए

हर जंग अपने पीछे गहरे जख्म और चुभते सवालों की लंबी शृंखला छोड़ जाती है। ईरान पर थोपा गया युद्ध इसका अपवाद नहीं है। कल जब इतिहास की पोथियों से उफन रही हार-जीत की गाथाएं राष्ट्रवाद की नई बिसातें बिछा रही होंगी, तब कहीं दुबका एक सवाल उन्हें मुंह चिढ़ाता नजर आएगा। यह जंग क्यों छेड़ी गई थी? अपनी बात स्पष्ट करने के लिए आपको सन्-1982 में ले चलता हूं। इंग्लैंड में मार्गरेट थैचर राज कर रही थीं। प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालते ही उन्होंने सरकारी कंपनियों के निजीकरण, श्रमिक संगठनों पर अंकुश, सरकारी खर्चों में कटौती और मुक्त बाजार को बढ़ावा देना शुरू कर दिया था। इससे तात्कालिक तौर पर बेरोजगारी और सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। नतीजतन, हर रायशुमारी में वह लोकप्रियता की सीढ़ियां लुढ़कती नजर आतीं। लगता था कि वह अगला चुनाव हार जाएंगी। संयोग से उनके हाथ एक मौका लग गया। अर्जेंटीनियन सैन्य जुंटा के नेता जनरल लियोपोल्डो गाल्टिएरी ने ब्रिटेन शासित फॉकलैंड द्वीप समूह पर आक्रमण कर दिया। 2 अप्रैल से 14 जून तक लड़े गए इस युद्ध में 900 से अधिक सैनिक अथवा आमजन खेत रहे। जीत ब्रिटेन की होनी थी, हुई, लेकिन थैचर की किस्मत बदल गई। उन्हें 'आयरन लेडी' की उपाधि से नवाजा गया। अगले चुनाव में वह पहले के 339 के मुकाबले 397 सदस्यों के विशाल बहुमत के साथ 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में जा विराजीं। उधर, जनरल गाल्टिएरी को शर्मनाक पराजय ने सियासी निर्वासन के बियाबान में धकेल दिया। थैचर को आज तक आयरन लेडी कहा जाता है, लेकिन उन 900 लोगों की बात कोई नहीं करता, जो राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की बलि चढ़ गए थे। इसी से मिलता-जुलता उदाहरण भारत-पाकिस्तान युद्ध का है। दिसंबर 1971 में जब यह लड़ाई छिड़ी, तब तक इंदिरा गांधी मार्च 1971 का चुनाव तो भारी बहुमत से जीत चुकी थीं, लेकिन अभी तक 'गूंगी गुड़िया' की छवि उनका पीछा कर रही थी। उन्हें इस छवि से मुक्ति का अवसर पाकिस्तान के फौजी तानाशाह जनरल याह्या खान ने मुहैया करा दिया। कैसे? वर्ष 1970 में शेख मुजीबुर्रहमान की पार्टी अवामी लीग ने पूर्वी पाकिस्तान में मौजूद 162 में से 160 सीटें जीतकर नेशनल असेंबली में बहुमत हासिल कर लिया था। कायदे से उन्हें प्रधानमंत्री बनना चाहिए था, लेकिन पश्चिमी पाकिस्तान के पंजाबियों, सिंधियों, बलूचों और पठानों को यह मंजूर न था। देश के सैन्य हुक्मरां जनरल याह्या खान ने बौखलाहट में अपने गैर-बांग्लाभाषी फौजी दस्तों को पूर्वी पाकिस्तान में रहने वाले बांग्लाभाषियों पर सितम ढाने की छूट दे दी थी। नतीजतन, बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आने लगे। इंदिरा गांधी ने मौके का फायदा उठाकर पाकिस्तान पर हमला बोल दिया। इस युद्ध में करीब 93,000 पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को पूर्वी पाकिस्तान में हथियार डालने पड़े थे। यह वह मुकाम था, जब बांग्लादेश का उदय हुआ और पाकिस्तान हमेशा के लिए दो टुकड़ों में बंट गया। यकीनन, इससे भारत की छवि मजबूत हुई और इसका फायदा इंदिरा गांधी को मिला। 'गूंगी गुड़िया' अब 'दुर्गा' बन चुकी थी। पराजित याह्या खान को न केवल कुर्सी छोड़नी पड़ी, बल्कि अपना शेष जीवन जिल्लत के साथ गुजारना पड़ा। अब पश्चिम एशिया की जंग पर आते हैं। पिछले साल जून में लगातार 12 दिन तक बम बरसाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की थी कि हमने ईरान की परमाणविक क्षमता को 'विनष्ट' कर दिया है। उस 'विनष्ट' को पुनः नष्ट करने की भला क्या जरूरत आ पड़ी थी? इंदिरा गांधी और मार्गरेट थैचर को अवसर दूसरों ने मुहैया कराए थे, लेकिन ईरान पर थोपे गए युद्ध का कोई आधार नहीं था। इस अकारण छेड़ी गई लड़ाई में सिर्फ हजारों बच्चे, बूढ़े और नौजवान कब्रगाहों के हवाले नहीं हुए, बल्कि अमेरिकी लोकतांत्रिक परंपराएं भी दफन हो गईं। कुछ दिन पहले तक कुत्सित विचारों वाला कोई व्यक्ति भी यह कल्पना नहीं कर सकता था कि खुद को लोकतंत्र का मक्का बताने वाले अमेरिका का राष्ट्रपति यह घोषणा करेगा- 'आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।'

ईरान पर थोपा गया युद्ध इसका अपवाद नहीं है। कल जब इतिहास की पोथियों से उफन रही हार-जीत की गाथाएं राष्ट्रवाद की नई बिसातें बिछा रही होंगी, तब कहीं दुबका एक सवाल उन्हें मुंह चिढ़ाता नजर आएगा। यह जंग क्यों छेड़ी गई थी? अपनी बात स्पष्ट करने के लिए आपको सन् 1982 में ले चलता हूं। इंग्लैंड में मार्गरेट थैचर राज कर रही थीं। प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालते ही उन्होंने सरकारी कंपनियों के निजीकरण, श्रमिक संगठनों पर अंकुश, सरकारी खर्चों में कटौती और मुक्त बाजार को बढ़ावा देना शुरू कर दिया था। इससे तात्कालिक तौर पर बेरोजगारी और सामाजिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। नतीजतन, हर रायशुमारी में वह लोकप्रियता की सीढ़ियां लुढ़कती नजर आतीं। लगता था कि वह अगला चुनाव हार जाएंगी। संयोग से उनके हाथ एक मौका लग गया। अर्जेंटीनियन सैन्य जुंटा के नेता जनरल लियोपोल्डो गाल्टिएरी ने ब्रिटेन शासित फॉकलैंड द्वीप समूह पर आक्रमण कर दिया। 2 अप्रैल से 14 जून तक लड़े गए इस युद्ध में 900 से अधिक सैनिक अथवा आमजन खेत रहे। जीत ब्रिटेन की होनी थी, हुई, लेकिन थैचर की किस्मत बदल गई। उन्हें 'आयरन लेडी' की उपाधि से नवाजा गया।

दृष्टि कोण

होर्मुज खुला, तेल सस्ता और बाजारों में तेजी का तूफान : वैश्विक संकेतों के बीच भारत के लिए क्या मायने

भारत के लिए यह एक अवसर है कि वह इस स्थिति का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत करे। लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि संभावित जोखिमों को नजरअंदाज न किया जाए, क्योंकि वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का यह खेल कभी भी करवट बदल सकता है। पामि एशिया से आईं एक बड़ी खबर ने वुछ ही मिनटों में वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा बदल दी। होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान द्वारा अस्थायी रूप से सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने की घोषणा ने कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ला दी और दुनियाभर के शेयर बाजारों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। यह पैसला ऐसे समय आया है जब फारस की खाड़ी क्षेत्र तनाव और अनिातिता के दौर से गुजर रहा था। आपरूति बाधित होने की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं, लेकिन जैसे ही यह मार्ग खुला, बाजारों ने राहत की सांस ली। तेल बाजारों की प्रतिव्रिया बेहद तेज और स्पष्ट थी। ब्रेंट व्रूड ऑयल वुछ ही सेवंड में लगभग 12 प्रतिशत गिरकर 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जबकि डब्ल्यूटीआईं व्रूड भी 83 डॉलर के आसपास फिसल गया। यह गिरावट केवल आंकड़ों का बदलाव नहीं थी, बल्कि यह संकेत था कि वैश्विक आपरूति की चिता फिलहाल कम हो गईं है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गो में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपरूति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसके बंद होने या बाधित होने की आशंका हमेशा बाजारों को अस्थिर कर देती है, और इसके खुलने से वही बाजार तेजी की ओर दौड़ पड़ते हैं। तेल की कीमतों में इस गिरावट का असर शेयर बाजारों पर तुरंत दिखाईं दिया। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 2 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, जबकि यूरोप के प्रमुख सूचकांक जैसे डीएएक्स और एफटीएसईं 100 भी मजबूती के साथ ऊपर चढ़े। निवेशकों ने इसे एक सकारात्मक संकेत के रूप में लिया कि ऊर्जा लागत में कमी आने से वंपनियों के

मुनापे पर दबाव घटेगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। भारतीय बाजार भी इस वैश्विक माहौल से अछूते नहीं रहे। हालांकि यह घोषणा एशियाई बाजारों के बंद होने के बाद हुईं, लेकिन इसके संकेत पहले ही दिखने लगे थे। बीएसईं सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होकर यह संकेत दिया कि निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है। गिफ्ट निफ्टी में आईं तेजी ने यह उम्मीद और मजबूत कर दी है कि आने वाले सत्र में भारतीय बाजार गैप-अप ओपनिग के साथ खुल सकते हैं। इस पूरी घटना को केवल बाजार की हलचल के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे गहरे आर्थिक और भूराजनीतिक संकेत छिपे हुए हैं। पामि एशिया में तनाव कम होने की संभावना ने निवेशकों को जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया है। जब भी वैश्विक स्तर पर अनिातिता कम होती है, पूंजी बाजारों में तेजी देखी जाती है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित विकल्पों से निकलकर इक्विटी जैसे जोखिम वाले एसेट्स में निवेश बढ़ाते हैं। भारत के लिए इस घटनाम के कईं सकारात्मक पहलू हैं। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातकों में से एक है और उसकी अर्थव्यवस्था काफी हद तक आयातित कच्चे तेल पर निर्भर करती है। जब तेल की कीमतें गिरती हैं, तो देश का आयात बिल कम होता है, जिससे चालू खाते के घाटे पर सकारात्मक असर पड़ता है। इसके साथ ही, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में स्थिरता या कमी आने की संभावना बढ़ जाती है, जो आम लोगों और उद्योगों दोनों के लिए राहत की खबर होती है।

इंदिरा-प्रियंका तक सिमटी कांग्रेस की राजनीति, आम महिला उपेक्षित : कृष्णपाल गुर्जर

केंद्रीय राज्यमंत्री ने भाजपा कार्यालय पर सुना प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि नारी शक्ति वंदन बिल को लोकसभा में गिराकर कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों ने पाप किया है, जो इन दलों को भस्म कर देगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार की उपेक्षा नहीं है, बल्कि इन्होने देश की हर बहन अपमान किया है, महिलाओं के अधिकारों को कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों ने ठेस पहुंचाई है। इस अपमान की कीमत इन दलों को चुकानी पड़ेगी। श्री गुर्जर शनिवार रात सेक्टर-15ए स्थित जिला भाजपा कार्यालय अटल कमल पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को सुनने के बाद पत्रकारों से रुबरु हो रहे थे। गुर्जर ने आगे कहा कि इंदिरा से प्रियंका तक सिमटी हैं इनकी राजनीति, इन्हें अपने परिवार की महिलाओं को संसद में भेजना अच्छा लगता है, लेकिन पार्टी के लिए काम करने वाली आम बहनों को संसद का दरवाजा तक नहीं देखने देना चाहते। कांग्रेस और इंडी नहीं चाहते कि आम महिला संसद या विधानसभा का दरवाजा देखे। वे चाहते हैं कि केवल उनके परिवार की महिलाएं ही निर्णय प्रक्रिया में शामिल हों। भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर केन्द्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल और बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं के साथ मोदी जी के राष्ट्र के नाम संबोधन को सुना। कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि आज देश की नारी में आक्रोश और गुस्सा है और इसका खामियाजा कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन को आने वाले समय में भुगतना पड़ेगा, चाहे वह सपा हो, टीएमसी हो या डीएमके। यह अत्यंत शर्मनाक है कि एक तरफ ये नारी के अधिकारों पर डाका डाल रहे थे और दूसरी तरफ मेजें थपथपा कर जश्न मना रहे थे, जयनाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भले ही एनडीए के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है, लेकिन वह समय भी आएगा जब देश की बहनें आदरपूर्वक प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए को इतनी ताकत देंगी कि संसद में ऐसे महिला-विरोधी दलों की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विस्तार से समझाया कि हर प्रदेश में सीटें बढ़ेंगी। नारी शक्ति वंदन बिल 2023 में यह स्पष्ट किया गया था कि जनगणना और परिसीमन (डीलिमिटेशन) के आधार पर सीटों का निर्धारण होगा। जनगणना और परिसीमन में समय लगेगा, जिसके कारण महिलाओं को आरक्षण 2034 तक टल सकता है। इसलिए पीएम मोदी संशोधन बिल लाए थे, ताकि 2029 में ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिल सके। लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन के महिला-विरोधी रवैये के कारण यह बिल गिरा दिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, शोभित अरोड़ा, फरीदाबाद महिला मोर्चा अध्यक्षा राजबाला सरदाना, ममता राघव, पार्षद एवं पूर्व महापौर सुमन बाला, पार्षद गायत्री देवी, पार्षद अनीता वशिष्ठ, जिला उपाध्यक्ष सीमा भारद्वाज, भारती भाकुनी, जिला सचिव, मनीष छोकर, सुषमा यादव, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, कार्यालय सचिव राज मदान, अलका भाटिया, श्वेता शर्मा, सोनिया कथूरिया, ममता समेत काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

महिला आरक्षण विधेयक पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का विपक्ष पर हमला

बोले, नारी शक्ति के साथ हुआ धोखा

पटना (हिंस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि नारी शक्ति के आरक्षण का अपमान किया गया है और यह महिलाओं के साथ धोखा है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि ये पार्टियां इस मुद्दे पर खुशी मनाती दिखीं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी बहन सांसद बन सकती हैं, लेकिन अन्य महिलाओं को अवसर देने में कांग्रेस की मंशा स्पष्ट नहीं है। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार विधानसभा में वर्तमान में केवल 29 महिला विधायक हैं, जबकि महिला आरक्षण पूरी तरह लागू होने पर यह संख्या बढ़कर 122 तक पहुंच सकती थी। उन्होंने इसे महिलाओं के अधिकारों और उनकी राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा अहम मुद्दा बताया। उन्होंने पंचायत स्तर पर लागू 50 प्रतिशत आरक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बावजूद करीब 59 प्रतिशत महिलाएं चुनाव जीत रही हैं, जो नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी और क्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी देशभर की महिलाओं के हित में काम कर रही है, जबकि कुछ दल परिवारवाद तक सीमित हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में कभी महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया और अब जब इस दिशा में पहल हो रही है, तो वह इसका विरोध कर रही है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर दलित और आदिवासी हितों की अनदेखी का भी आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) इस मुद्दे पर पूरी तरह एकजुट है और महिला आरक्षण का विरोध करने वालों के खिलाफ देशभर में आवाज उठाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार नारी शक्ति को आरक्षण देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि 17 अप्रैल को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर मतदान हुआ, लेकिन सरकार आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सकी, जिसके चलते यह विधेयक पारित नहीं हो पाया।

राजस्थान में तेज हुई गर्मी की मार, कई शहरों में पारा 40 पार, हीटवेव का यलो अलर्ट जारी

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में अब गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। राजधानी जयपुर में 18 अप्रैल को इस सीजन में पहली बार तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। इसके साथ ही प्रदेश के 18 से अधिक शहरों में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच मापा गया। मौसम विभाग के अनुसार झुंझुनूं और अलवर क्षेत्रों में दिन के समय हीटवेव का असर देखने को मिला। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने आगामी 3-4 दिनों के लिए राज्य में तेज गर्मी और लू को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर और बीकानेर में हल्के बादल छाए रहे, जबकि हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में धूलभरी हवाएं चलीं। वहीं कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग में दिनभर तेज धूप के कारण गर्मी का असर बना रहा। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री रहा, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक है। कोटा में पारा 42 डिग्री के पार पहुंच गया और आने वाले दिनों में 44 डिग्री तक जाने की संभावना जताई गई है। अजमेर में 39.6 डिग्री तापमान के साथ उमस ने लोगों को परेशान किया, जबकि अलवर में 41.6 डिग्री तापमान के साथ शाम को आंधी भी चली। उदयपुर और जोधपुर में भी पारा 40 डिग्री के आसपास बना रहा। तेज गर्मी और लू की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। अस्पतालों में लू और गर्मी से प्रभावित मरीजों के लिए अलग वार्ड बनाए जा रहे हैं। साथ ही लोगों को धूप से बचने, अधिक पानी पीने और दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक और वृद्धि की संभावना जताई है। कई जिलों में हीटवेव का प्रभाव और तेज हो सकता है।

देश की महिलाएं नहीं करेंगी सपा, कांग्रेस को माफ चुनाव में भुगतना पड़ेगा खामियाजा : ब्रजेश पाठक

फिरोजाबाद (हिंस)। प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को कहा कि कांग्रेस, सपा व विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण बिल को पास होने से रोका है। देश की महिलाएं इन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। इन्हें इसका खामियाजा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। उन्होंने बंगाल में भाजपा की स्पष्ट सरकार बनने का दावा किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रविवार को फिरोजाबाद में थे। उन्होंने यहां निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जाना, तत्पश्चात उन्होंने टूंडला भाजपा विधायक प्रेमपाल सिंह धनगर के यहां आयोजित पुत्रियों के वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान वह मीडिया से भी रूबरू हुए। उपमुख्यमंत्री ने प्रदेश में स्मार्ट (प्रीपेड) मीटर को लेकर हो रहे हंगामे पर कहा कि सरकार ने इसमें एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन किया है, इसमें जो फैसला सरकार द्वारा लिया जाएगा वह जनता के हित में ही लिया जाएगा। महिला आरक्षण संबंधी विधेयक के लोकसभा में पारित न होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बिल को सपा, कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने पारित होने से रोका है, इसके लिए देश की महिलाएं इन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। महिलाओं में आक्रोश है। आजादी के बाद कांग्रेस महिलाओं को सम्मान व बराबरी का दर्जा नहीं दे पाई। महिलाओं को मुख्य धारा से जोड़कर बराबरी का दर्जा देकर सम्मान देने काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। प्रधानमंत्री ने देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में बैठकर महिलाओं द्वारा कानून बनाने के लिए जो विधेयक लाया गया उसे कांग्रेस, सपा सहित अन्य विपक्षी दलों ने दुरभि संधि से पारित होने से रोका है, महिलाएं ऐसे दलों को कभी माफ नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब-जब सपा की सरकार रही है तो गुंडे माफिया पल्लवित व पोषित हुए है। इसलिए सपा बिल्कुल नहीं चाहती कि महिलाओं को 33 प्रतिशत लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण मिले और वह वहां बैठकर कानून बनाए क्योंकि जब महिलाएं कानून बनाएगी तो यह गुंडे माफिया जेल में होंगे। इसलिए इस बिल को पारित होने से रोका है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर कहा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का इस बार सफाया होगा और स्पष्ट रूप से वहां भाजपा की सरकार बनेगी। इस दौरान विधायक मनीष असीजा, प्रेमपाल सिंह धनगर, जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह सहित अन्य भाजपाई मौजूद रहे।

अजमेर में बस 200 फीट खाई में गिरी दो महिलाओं की मौत, 31 घायल

अजमेर (हिंस)। अजमेर जिले में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में सवारियों से भरी बस करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हो गए। बस में कुल 33 यात्री सवार थे, जो पुष्कर की ओर जा रहे थे। पुलिस के अनुसार हादसा रविवार दोपहर करीब 12 बजे पुष्कर घाटी में, पुष्कर से लगभग तीन किलोमीटर पहले सांझीसर के पास हुआ। अजमेर से पुष्कर की ओर जा रही बस अचानक अनियंत्रित होकर मुख्य सड़क से नीचे खाई में उतर गई और पेड़-पौधों में फंस गई। हादसे के बाद मौके से गुजर रहे लोगों ने साहस दिखाते हुए कपड़ों की मदद से रस्सी बनाकर घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी घायलों को पहले पुष्कर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया। सीओ ग्रामीण रामचंद्र चौधरी ने बताया कि दुर्घटना में पूजा (28) पत्नी विजय सिंह गुर्जर और विमला देवी (50) पत्नी ओमप्रकाश गुर्जर की मौत हो गई। दोनों मृतक अजमेर की निवासी थीं। एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। हादसे के बाद पुष्कर घाटी में लंबा जाम लग गया। सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान चलाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस में सवार लोग पीसांगन क्षेत्र के बडसूरी गांव में एक पारिवारिक कार्यक्रम (मायरा) में शामिल होने जा रहे थे। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। कांग्रेस नेता नौरत गुर्जर ने मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा देने और बस के परमिट की जांच की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीकानेर स्थापना दिवस पर भव्य समारोह 18 विशिष्ट व्यक्तित्व व एक संस्था सम्मानित

बीकानेर (हिंस)। जिला प्रशासन एवं राव बीकाजी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में बीकानेर के 539वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को भव्य मुख्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शहर की गौरवशाली विरासत, सांस्कृतिक समृद्धि और विकास की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर विशेष जोर दिया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, महानिदेशक पुलिस ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर निशांत जैन, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा, डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, राजवीर सिंह चलकोई एवं केपी सिंह सिसोदिया शामिल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गिरिजा शंकर शर्मा ने की, जबकि श्री विद्या सागर आचार्य की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत जूनागढ़ स्थित राव बीकाजी प्रतिमा परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर बीकानेर का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने वाले 18 विशिष्ट व्यक्तित्वों एवं एक संस्था को सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तित्वों में डॉ. सोनू शिवा को श्री करणी माता अवॉर्ड, वरिष्ठ पत्रकार रमेश महर्षि को राव बीदा अवार्ड, बृजमोहन आचार्य को राव बेलोजी पड़िहार अवार्ड, चित्रकार योगेंद्र कुमार पुरोहित को महाराजा अनूप सिंह अवार्ड, साहित्यकार एवं उद्घोषक प्रमोद कुमार शर्मा को जनकवि बुलाकी दास बावरा गीतकार अवार्ड, साहित्यकार रवि शुक्ल को पंडित विद्याधर शास्त्री अवॉर्ड, मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली को महाराजा रायसिंह अवार्ड, रम्मत कलाकार कृष्ण कुमार बिस्सा को पीर गोविंददास अवॉर्ड, शिक्षाविद डॉ. मेघना शर्मा को राजमाता सुशीला कुमारी स्मृति अवार्ड प्रदान किया गया। इसके अलावा कवयित्री रजनी छाबड़ा, रफीक राजा एवं डॉ. बीबीएस कपूर को बीकाणा अवार्ड, निशानेबाज श्रद्धा सिंह परमार को महाराजा करणी सिंह अवार्ड, फोटो जर्नलिस्ट नौशाद अली को राव बीका अवार्ड, उद्योगपति विनोद बाफना को महाराजा गंगासिंह अवार्ड, रंगकर्मी रमेश शर्मा को अजीज आजाद स्मृति अवार्ड, युवा साहित्यकार पुनीत रंगा को ठाकुर सूरजमाल सिंह चलकोई राजस्थानी प्रोत्साहन अवार्ड तथा *अपना घर आश्रम* को देश दीवान राव दुलेसिंह बीदावत अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली युवा प्रतिभाओं को भी सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन कमल रंगा ने दिया, जबकि संस्था की पांच दिवसीय गतिविधियों की जानकारी नरेंद्र सिंह स्याणी ने प्रस्तुत की। वक्ताओं ने बीकानेर के स्वर्णिम इतिहास, समृद्ध कला-संस्कृति और परंपराओं की सराहना करते हुए नागरिकों से शहर के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राजेंद्र जोशी, रामलाल सोलंकी, इरशाद अजीज, आत्माराम भाटी, डॉ. पवन दाधीच, अभिषेक आचार्य, डॉ. मोहम्मद फारूक चौहान, अजीज भुट्टा एवं रामसहाय हर्ष सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया। समारोह में शहर के विभिन्न वर्गों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पंजाब में बेअदबी पर सख्त कानून का रास्ता साफ, राज्यपाल ने बिल को दी मंजूरी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून का रास्ता साफ हो गया है। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने *जागृत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026* पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि यह बड़ा कदम है और उन्होंने वाहेगुरु का आभार जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें यह सेवा करने का अवसर मिला, इसके लिए वह कृतज्ञ हैं और समूची सिख संगत का धन्यवाद करते हैं। हालांकि, फिलहाल यह कानून केवल श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के मामलों पर ही लागू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य धर्मों के लोगों से बातचीत कर जल्द ही उनके लिए भी इसी तरह का कानून लाया जाएगा। नए कानून के तहत बेअदबी से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों को अपराध की श्रेणी में रखा गया है, जैसे श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के *स्वरूप* (पवित्र ग्रंथ) को जानबूझकर फाड़ना, जलाना या किसी भी तरह से खंडित करना, पवित्र ग्रंथ पर थूकना, उसे गंदे हाथों से छूना या किसी ऐसी जगह रखना जहां उनकी गरिमा भंग होती हो, गुरु साहिब के स्वरूप को सार्वजनिक रूप से फेंकना या गलियों/नालियों में लावारिस छोड़ देना, पवित्र स्वरूप को चोरी करना या उसे मर्यादा के विरुद्ध अपने पास रखना, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की उपस्थिति में शराब, तंबाकू या किसी भी नशीले पदार्थ का सेवन करना या लेकर जाना, सोशल मीडिया या किसी अन्य माध्यम से पवित्र बाणी या गुरु साहिब के प्रति अभद्र टिप्पणी या अपमानजनक फोटो-वीडियो बनाना। इस कानून में सख्त सजा का प्रावधान किया गया है, जिसमें 5 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा और 20 लाख रुपए तक का जुर्माना शामिल है। इन अपराधों को गैर-जमानती बनाया गया है और इसमें सहयोग करने वालों को भी बराबर दोषी माना जाएगा। यह बिल 13 अप्रैल को मुख्यमंत्री भगवंत मान की अगुवाई में विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित किया गया था। इसे राज्य में धार्मिक सद्भाव बनाए रखने और बेअदबी के मामलों पर सख्ती से रोक लगाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

जीपीएस की मदद से युवक ने पकड़े बाइक चोर

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर शहर में बाइक चोरी की एक घटना में साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए एक युवक ने जीपीएस तकनीक की मदद से अपनी चोरी हुई बाइक का पता लगाकर चोरों का पीछा किया और उन्हें पकड़वा दिया। पीछा करने के दौरान हुई दुर्घटना में एक आरोपी का पैर टूट गया, जबकि दूसरा घायल होकर जंगल की ओर भाग गया, जिसे बाद में पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार अंबामाता थाना क्षेत्र स्थित पन्नाविलास होटल के बाहर से शनिवार को एक होटल कर्मचारी की बाइक चोरी हो गई थी। बाइक में लगे जीपीएस सिस्टम के जरिए युवक को उसकी लोकेशन मिल गई। इसके बाद उसने बाइक का पीछा शुरू कर दिया। पीछा करते हुए जब युवक ने अपनी बाइक पर सवार चोरों को देखा तो उन्हें रुकने के लिए आवाज लगाई, लेकिन चोर तेज गति से बाइक दौड़ाने लगे। इसी दौरान अचानक बाइक बेकाबू हो गई और दोनों आरोपी गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना में लालमगरी निवासी सन्नी कल्याण पुत्र भगवती का पैर टूट गया।

जदयू नेताओं ने निशांत कुमार को किया सम्मानित

भागलपुर (हिंस)। कर्पूरी सभागार प्रदेश जदयू कार्यालय पटना में जदयू नेता निशांत कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भागलपुर जिले के विभिन्न प्रखंडों के अध्यक्षों ने जदयू जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता के नेतृत्व में भाग लिया। जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने अंग-वस्त्र तथा भागलपुर की लोक चित्रकला *मंजूषा पेंटिंग* देकर निशांत कुमार का सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष विवेकानंद गुप्ता ने कहा कि बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने पर गहन चर्चा की गई। महानगर जिलाध्यक्ष संजय शाह ने कहा कि बैठक में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित करने तथा जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत करने का निर्णय लिया गया।

ईंधन की कमी से फ्यूल पंप पर उमड़ रही भारी भीड़ किसान व्यापारी सब परेशान, जिम्मेदार बोले कोई कमी नहीं

बहराइच (हिंस)। जिले के अधिकांश फ्यूल पंप इन दिनों पेट्रोल डीजल की कमी के कारण सूख गए हैं। फ्यूल की किल्लत ने संकट जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। जरूरतमंद वाहन और केन लेकर लोग घण्टों लाइन में लगकर फ्यूल पाने की जुगत में लगे हैं, लेकिन बावजूद इसके उन्हें या तो सीमित मात्रा में फ्यूल मिला पा रहा है या फिर खाली हाथ वापस लौटना पड़ रहा है। जिन फ्यूल पंपों पर ईंधन उपलब्ध है वहां भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं जिले के अधिकांश फ्यूल पंप मालिकों ने बैरिकेडिंग कर ईंधन उपलब्ध नहीं है का बोर्ड लगा दिया। इसके विपरीत बहराइच के जिला पूर्ति अधिकारी नरेंद्र तिवारी रोजाना मीडियाकर्मियों को यह बताते नहीं थक रहे हैं कि जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है लेकिन फ्यूल पंपों पर ईंधन न उपलब्ध होने के लगे बोर्ड जिला पूर्ति अधिकारी के दावों को आइना दिखाते नजर आ रहे हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि अगर जिले की बात छोड़ दें तो पड़ोसी जनपदों में स्थिति इसके ठीक उलट है। पड़ोसी जिले गोण्डा, सीतापुर, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी और राजधानी लखनऊ में ईंधन की कोई कमी नहीं है। पड़ोसी जिलों में फ्यूल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं जबकि बहराइच में स्थिति उसके विपरीत है। वहीं जिला पूर्ति अधिकारी नरेंद्र तिवारी के दावों पर अब आम जनता ने भी सवाल उठाना शुरू कर दिया है। बख्शीपुरा निवासी धनंजय सिंह का कहना है कि यदि जिले में ईंधन की कमी नहीं है तो फ्यूल पंपों पर कतारें आखिर क्यों लगी हैं? शहर के गुरुनानक चौक निवासी गुरुप्रीत सिंह का कहना है कि यदि जिले में सप्लाई सामान्य है और ईंधन की कमी नहीं है तो कई पंप बंद होने के पीछे का कारण क्या है? इतना ही नहीं लोगों ने सोशल मीडिया पर भी डीएसओ के खिलाफ अपनी भड़ास निकालना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया यूजर शिवाजी रस्तोगी, अरुण कुमार मिश्र, हिमांशु मिश्र, अर्जुन गुप्ता सहित अन्य लोगों ने भी डीएसओ के बयान की अपने-अपने शब्दों में आलोचना की है। इसी बीच कुछ मुनाफाखोरों ने आपदा में अवसर की तलाश भी कर ली है। संकट के बीच पेट्रोल 200 रुपए प्रति लीटर और डीजल 150 रुपए प्रति लीटर तक बेचे जाने की बात प्रकाश में आ रही है। एक तरफ जहां जरूरतमंद घंटों लाइन में खड़े हैं वहीं दूसरी तरफ मुनाफाखोर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। मामले को लेकर जब रविवार को डीएफओ से बात की गई कि वही रटा रटाया जवाब कि जनपद में फ्यूल की कोई कमी नहीं है और लोग अफवाह फैला रहे है, ऐसे लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई के लिए पुलिस विभाग को पत्राचार किया जाएगा।

भगवान परशुराम का जीवन शस्त्र, शास्त्र और साहस का अद्वितीय संगम : डॉ. अरविंद शर्मा

सोनीपत (हिंस)। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि शस्त्र, शास्त्र और साहस का अद्वितीय संगम है भगवान परशुराम का जीवन। उन्होंने युवाओं से उनके आदर्श अपनाकर समाज में न्याय और समानता स्थापित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष जारी रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। रविवार को सोनीपत रोड टी प्वाइंट स्थित भगवान परशुराम चौक पर आयोजित हवन में डॉ. अरविंद शर्मा और डॉ. रीटा शर्मा ने आहुति दी। इसके बाद प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए और रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि परशुराम का जीवन साहस, दृढ़ता, शांति और ज्ञान का संगम है। इन मूल्यों को अपनाने से समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि परशुराम ने माता-पिता और गुरु के प्रति समर्पण के साथ समाज के महत्वपूर्ण विषयों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने वंचित वर्ग के उत्थान के लिए करुणा और न्याय का मार्ग दिखाया। मंत्री ने कहा कि आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अंत्योदय की भावना से इसी दिशा में काम कर रहे हैं, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस मौके पर सर्व ब्राह्मण कल्याण समिति प्रधान जयकिशन छपरा, रामकुमार फौजी, श्यामलाल वशिष्ठ, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, बलराम कौशिक, कुलदीप कौशिक, सूरजमल शर्मा, रीना शर्मा, राजकुमार शर्मा, प्रताप जौली व टीम भगवान परशुराम कल्याण समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भू-राजनीतिक तनाव और तेज रिकवरी से शेयर बाजार का सप्ताह उतार-चढ़ाव भरा रहा

मुंबई

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने भू-राजनीतिक तनाव और बदलती वैश्विक उम्मीदों के बीच एक रोलर-कोस्टर यात्रा की। अमेरिका-ईरान वार्ता की विफलता से शुरू हुई भारी गिरावट ने निवेशकों को हिला दिया, लेकिन सप्ताह के मध्य में शांति वार्ता की नई उम्मीदों ने बाजार को जोरदार वापसी करने का मौका दिया। हालांकि, मुनाफावसूली और अस्थिरता ने सप्ताह के बाकी दिनों में अपनी छाप छोड़ी, जिससे यह एक घटनापूर्ण और अप्रत्याशित कारोबारी सप्ताह साबित हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को अमेरिकी-ईरान वार्ता की विफलता की खबर के साथ हुई, जिसने वैश्विक बाजारों के साथ-साथ घरेलू शेयर बाजार को भी भारी झटका दिया। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1,600 अंक तक गिरकर 75,939 के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के नीचे आ गया। बैंकिंग और आटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में आइशर मोटर्स और मारुति के शेयरों में 5 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। दिन के अंत तक, सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 77,882.59 पर बंद हुआ और रुपया डालर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 93.39 पर आ गया। बाजार की अस्थिरता का सूचकांक वीआईएक्स 13 फीसदी से अधिक बढ़कर 21 के ऊपर पहुंच गया, जो निवेशकों में बढ़ती घबराहट को दर्शाता है। मंगलवार को डा. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती के कारण बाजार बंद रहा, जिसने निवेशकों को भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को पचाने का समय दिया। एक दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को बाजार में जोरदार वापसी देखने को मिली। ईरान-अमेरिका के बीच शांति वार्ता की नई उम्मीदों समेत कई अन्य कारकों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। सेंसेक्स 1,350 अंक से अधिक की तेजी के साथ खुला और अंततः 1,263.67 अंक बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 भी लगभग 388.65 अंक की छलांग लगाकर 24,231.30 पर पहुंच गया। इस उछाल से बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वृद्धि हुई, जो लगभग 458 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। बैंक और रियल्टी इंडेक्स में 2 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया। हालांकि, यह तेजी ज्यादा देर तक कायम नहीं रह पाई। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार में दिन भर बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया। बाजार खुलने के बाद मजबूती दिखी, लेकिन उच्च स्तर पर मुनाफावसूली हावी हो गई। सेंसेक्स दिन के उच्चतम स्तर से 800 अंक से अधिक गिर गया और अंततः 122.56 अंक की मामूली गिरावट के साथ 77,988.68 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,200 से नीचे आ गया। एयरटेल और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों पर दबाव दिखा। सत्र के दौरान सेंसेक्स में 1,055 अंकों से अधिक का उतार-चढ़ाव देखा गया, जिसने बाजार की अनिश्चितता को उजागर किया। ओएनजीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में दो प्रतिशत की गिरावट आई। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को बाजार ने सुस्त शुरुआत की, लेकिन अंततः हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। एशियाई बाजारों में नरमी और कच्चे तेल के भाव में स्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांकों ने वापसी की। सेंसेक्स 504.86 अंक बढ़कर 78,493.54 पर बंद हुआ।

न्यूज ब्रीफ

टाटा पंच को टक्कर देगी हुंडई की नई विद्युत गाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में हुंडई एक नई छोटी विद्युत गाड़ी लान्च करने की तैयारी में है, जो ग्राहकों के लिए कीमत और सुविधाओं दोनों में बेहद आकर्षक साबित हो सकती है। यह नई कार डिजाइन तथा तकनीक के मामले में भी बड़े माडलों से मुकाबला करती नजर आएगी। हाल ही में परीक्षण के दौरान दिखी इस गाड़ी की झलकियां बताती हैं कि कंपनी इसे एक मजबूत और ऊंचे ढांचे वाले रूप में पेश करेगी, जिसमें आगे की तरफ आधुनिक प्रकाश पट्टियां और नीचे मुख्य रोशनी इकाई दी जाएगी। बाहरी स्वरूप की बात करें तो, इसमें भीतर समाहित दरवाजों के हैंडल, आकर्षक पैटर्न वाले धातु के पहिये, ऊपर मजबूत रेलिंग और पहियों के ऊपर उभरे हुए हिस्से देखे जा सकते हैं, जो इसे एक प्रभावशाली और उपयोगी लुक देते हैं। पीछे की तरफ जुड़ी हुई रोशनी पट्टी और छोटा स्पाइलर इसके आधुनिक डिजाइन को पूरा करते हैं। गाड़ी के अंदर भी प्रीमियम अनुभव देने पर जोर दिया गया है, जिसमें गोलाकार ढांचे में दो बड़े डिजिटल पर्दे, स्टीयरिंग के साथ जुड़ा गियर चयन का उन्नत तरीका और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जाएगा। सुरक्षा के लिए उन्नत चालक सहायता प्रणाली, चारों पहियों में डिस्क ब्रेक और 360 डिग्री कैमरा जैसी खूबियां भी अपेक्षित हैं। इस नई विद्युत गाड़ी में लगभग 40 किलोवाट क्षमता की बैटरी दी जा सकती है, जिससे यह एक बार चार्ज होने पर करीब 400 से 500 किलोमीटर की प्रभावशाली दूरी तय कर सकेगी। इसमें एक विद्युत मोटर होगी जो आगे के पहियों को शक्ति देगी और 10 सेकंड से भी कम समय में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम होगी। बाजार में इसका मुकाबला टाटा पंच ईवी, टाटा नेक्सन ईवी और महिंद्रा की आने वाली विद्युत गाड़ियों से होगा। कीमत के मामले में यह क्रेटा से कम दाम में उपलब्ध हो सकती है।

उत्तर प्रदेश में आलू किसानों को राहत, 6500 प्रति टन पर खरीदने की अनुमति

नई दिल्ली। किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार ने 6,500.90 रुपये प्रति टन के बाजार हस्तक्षेप मूल्य पर आलू खरीदने की अनुमति दी है। इस योजना के तहत करीब 20 लाख टन आलू की खरीद की जाएगी। इस पर सरकार लगभग 203 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अक्सर बाजार में अधिक उत्पादन के कारण आलू के भाव में गिरावट आ जाती है किसानों को भारी नुकसान होता है। ऐसे में सरकार का यह कदम किसानों को मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचने से बचाएगा। इससे उनकी आय में स्थिरता आएगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वहीं सरकार ने एक और आंध्र प्रदेश में चना खरीद की सीमा बढ़ा दी है, पहले जहां 94,500 टन चना खरीदा जाना था, अब इसे बढ़ाकर 1.13 लाख टन कर दिया गया है। कर्नाटक में मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत अरहर (तुअर) की खरीद की समय सीमा को 15 मई तक बढ़ा दिया गया है। इससे किसानों को अपनी फसल एमएसपी पर बेचने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। यह कदम उन किसानों के लिए राहत लेकर आया है, जो समय की कमी के कारण अपनी उपज सही दाम पर नहीं बेच पाते थे। इन सभी फैसलों को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद मंजूरी दी गई।

सरकारी तेल कंपनियों ने नहीं बढ़ाए पेट्रोल और डीजल के भाव, 1 अप्रैल को शेल इंडिया ने बढाए थे पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई इजाफा नहीं किया है। आखिरी बार भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने 2022 में रेट बढ़ाया था। बता दें, 1 अप्रैल को प्राइवेट तेल कंपनी शेल इंडिया ने पेट्रोल पर 7.4 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 25 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। जिसके बाद शेल इंडिया के पंप पर पेट्रोल का रेट 119.85 रुपये और डीजल का रेट 123 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। वहीं, पावर पेट्रोल का रेट शेल इंडिया के पंप पर 129.85 रुपये प्रति लीटर और प्रीमियम डीजल का रेट 133 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मार्च के महीने में नायरा ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया था। नायरा ने तब पेट्रोल का रेट 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया था। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव की वजह से कंपनी ने यह फैसला तब किया था। हालांकि, उसके बाद से कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं देखने को मिला है। 1 अप्रैल को इंडियन आयल एक्सपी100 पेट्रोल का रेट 11 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया गया था। जिसके बाद इसका रेट 149 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 160 रुपये प्रति लीटर के स्तर पर पहुंच गया था।

कैट को अक्षय तृतीया पर 20 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, रिकार्ड कीमतों के बीच मजबूत मांग और खरीद के तरीके में हो रहा बदलाव

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच सोना-चांदी की कीमतों में अभूतपूर्व बढ़ोतरी के बावजूद कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को कहा कि कभी न घटने वाली समृद्धि का प्रतीक मानी जाने वाली अक्षय तृतीया के अवसर पर देशभर में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के व्यापार होने का अनुमान है। कैट ने कहा कि अकेले दिल्ली में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होगा।

चांदनी चौक से सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने जारी बयान में कहा कि अक्षय तृतीया पारंपरिक रूप से सोना खरीदने के लिए देश के सबसे शुभ अवसरों में से एक रही है। खंडेलवाल ने बताया कि ऐसी मान्यता है इस दिन को किया गया निवेश स्थायी समृद्धि लेकर आता है। उन्होंने कहा, हालांकि सोना अभी भी खरीद का केंद्र बना हुआ है, लेकिन तेजी से बढ़ती कीमतों के चलते खरीद के स्वरूप में स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है।

कैट महामंत्री ने कहा कि इस वर्ष सोने की कीमतें पिछले वर्ष के लगभग 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1.58 लाख रुपये तक पहुँच गई हैं, जबकि चांदी 85 हजार रुपये प्रति किलो से बढ़कर 2.55 लाख रुपये प्रति किलो के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कीमतों में इस तीव्र वृद्धि ने उपभोक्ता के व्यवहार में बड़ा बदलाव ला दिया है। हालांकि, ऊंची कीमतों के बावजूद मांग कमजोर नहीं हुई है, बल्कि खरीदारी अब अधिक सोच-समझकर और मूल्य-आधारित हो रही है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने कहा कि देशभर के ज्वैलर्स ने बदलते रुझानों के अनुसार अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है। हल्के वजन के आभूषण, रोज़मर्रा में पहने जाने वाले डिज़ाइन, तथा चांदी और हीरे के उत्पादों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही मेकिंग चार्ज में छूट और छोटे गोल्ड क्वाइन जैसे आकर्षक आफर्स से ग्राहकों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर कुल व्यापार का मूल्य बढ़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर वास्तविक मात्रा में गिरावट एक अलग ही तस्वीर पेश कर रही है।

कैट के सहयोगी संगठन आल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 16 हजार करोड़ रुपये के अनुमानित सोने के व्यापार का अर्थ वर्तमान कीमतों पर लगभग 10 हजार किलो (10 टन) सोने की बिक्री है। उन्होंने कहा कि यदि इसे देशभर के अनुमानित 2 से 4 लाख ज्वैलर्स में बांटा जाए, तो प्रति ज्वैलर्स औसतन केवल 25 से 50 ग्राम सोने की बिक्री होती है, जो मात्रा में स्पष्ट गिरावट को दर्शाता है।

पंकज अरोड़ा ने बताया कि इसी प्रकार 4 हजार करोड़ रुपये के चांदी के व्यापार का अर्थ लगभग करीब 157 टन चांदी की बिक्री है, जिससे प्रति ज्वैलर औसतन केवल 400 से 800 ग्राम चांदी की बिक्री होती है। अरोड़ा ने कहा, ये आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि कीमतों में वृद्धि के कारण व्यापार का मूल्य तो बढ़ रहा है, लेकिन वास्तविक खपत घट रही है। यही वजह है कि इस वर्ष बाजार में हल्के आभूषण और छोटे सिक्कों की मांग अधिक है। उन्होंने कहा कि कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण ज्वैलर्स के लिए स्टाक प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गया है। अरोड़ा ने बताया कि इसके बावजूद त्योहार की सकारात्मक भावना के चलते बाजारों में अच्छी ग्राहकी देखी जा रही है। उपभोक्ता अब पारंपरिक आस्था के साथ-साथ आर्थिक समझदारी को ध्यान में रखते हुए सीमित और विवेकपूर्ण निवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही डिजिटल गोल्ड, सावरेन गोल्ड बान्ड (एसजीबी) और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे वैकल्पिक निवेश विकल्पों की ओर भी लोगों का रुझान बढ़ रहा है, जो अधिक तरलता, सुरक्षा और लचीलापन प्रदान करते हैं। कैट और एआईजेजीएफ ने सभी ज्वैलर्स से अपील की है कि वे अनिवार्य हालमार्किंग (एचयूआईडी) का सख्ती से पालन करें, ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो और उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत हो। ग्राहकों को भी खरीदारी के दौरान शुद्धता और प्रमाणिकता के प्रति सजग रहने की सलाह दी गई है। उल्लेखनीय है कि अक्षय तृतीया यानी आखा तीज वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को कहते हैं। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार इस दिन जो भी शुभ कार्य किये जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है।

भारी वाहनों के लिए डीजल इंजन ज्यादा उपयुक्तः एक्सपर्ट

नई दिल्ली

नई कार खरीदते समय अक्सर दिमाग में आता है कि पेट्रोल इंजन वाली गाड़ी खरीदें या डीजल इंजन वाली व्हीकल एक्सपर्ट की माने तो पेट्रोल इंजन आमतौर पर हाई आरपीएम पर ज्यादा पावर जनरेट करते हैं, जिससे गाड़ी तेजी से स्पीड पकड़ती है और उसका एक्सेलरेशन बेहतर होता है। यह शहर की ड्राइविंग और स्पोर्टी अनुभव के लिए आदर्श है। वहीं, डीजल इंजन लो आरपीएम पर भारी टार्क पैदा करते हैं, जो भारी लोड खींचने, पहाड़ियों पर चढ़ने या हाईवे पर ओवरटेकिंग के लिए मजबूत पकड़ प्रदान करता है।

तकनीकी रूप से, डीजल इंजन में पेट्रोल इंजन की तुलना में उच्च कम्प्रेशन रेशियो (16:1 से 22:1 बनाम 6:1 से 12:1) होता है, और डीजल ईंधन की एनर्जी डेंसिटी भी अधिक होती है, जिससे प्रति स्ट्रोक अधिक बल मिलता है। यही कारण है कि डीजल इंजन 1500-3000 आरपीएम पर ही भारी टार्क देते हैं, जो एसयूवी और भारी वाहनों के लिए उपयुक्त है। पावर (हार्सपावर) के मामले में पेट्रोल इंजन अक्सर आगे रहते हैं क्योंकि वे उच्च आरपीएम (5000-7000) तक आसानी से घूम सकते हैं। पेट्रोल जल्दी जलता है और इंजन के पुर्जे हल्के होते हैं, जिससे तेज रफ्तार और क्विक एक्सेलरेशन मिलता है। वहीं, डीजल इंजन कम आरपीएम (अधिकतम 4000-5000) पर काम करते हैं, इसलिए भले ही उनका टार्क ज्यादा हो, कुल हार्सपावर कम रह जाती है। तो किसे खरीदना बेहतर है यह आपकी जरूरत पर निर्भर करता है। शहर में रोजाना ड्राइविंग, कम दूरी की यात्राओं और स्मूथ व शांत अनुभव के लिए पेट्रोल इंजन बेहतर है। इसकी सर्विस और रखरखाव भी आमतौर पर सस्ता होता है। दूसरी ओर, यदि आपकी ड्राइविंग में लंबी हाईवे यात्राएं, भारी लोड उठाना या फैमिली एसयूवी का उपयोग शामिल है, तो डीजल इंजन का बेहतर माइलेज और दमदार टार्क फायदेमंद साबित होगा। हालाँकि, डीजल इंजन का रखरखाव कुछ महंगा हो सकता है। आधुनिक टर्बोचार्ज्ड इंजन ने पेट्रोल और डीजल के बीच के इस अंतर को कम किया है, लेकिन बुनियादी फर्क अभी भी बरकरार है। संक्षेप में, अगर पावर का मतलब तेज एक्सेलरेशन और हाई-स्पीड परफार्मेंस है, तो पेट्रोल इंजन बेहतर है।

आईसीआईसीआई बैंक के मुनाफे में 8.5 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी

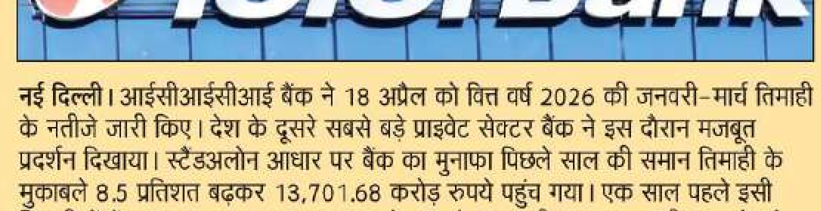

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक ने 18 अप्रैल को वित्त वर्ष 2026 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी किए। देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक ने इस दौरान मजबूत प्रदर्शन दिखाया। स्टैंडअलोन आधार पर बैंक का मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 8.5 प्रतिशत बढ़कर 13,701.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। एक साल पहले इसी तिमाही में बैंक का मुनाफा 12,629.58 करोड़ रुपये था, यानी इस बार अच्छी बढ़त देखने को मिली है। बैंक के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 12 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की है। हालांकि, डिविडेंड की घोषणा और उसका भुगतान जरूरी मंजूरियों के बाद ही किया जाएगा। आईसीआईसीआई बैंक की एसेट क्वालिटी इस तिमाही में मजबूत बनी रही। मार्च 2026 के अंत तक बैंक का ग्रास एनपीए रेशियो 1.40 प्रतिशत रहा, जो दिसंबर 2025 के 1.53 प्रतिशत और मार्च 2025 के 1.67 प्रतिशत के मुकाबले बेहतर है। वहीं नेट एनपीए रेशियो भी घटकर 0.33 प्रतिशत पर आ गया, जबकि पिछले साल मार्च में यह 0.39 प्रतिशत था। इस तिमाही में बैंक के नए ग्रास एनपीए (यानी नए फंसे हुए लोन) 4,242 करोड़ रुपये रहे, जो सालाना आधार पर कम हैं। बैंक ने 1,768 करोड़ रुपये के ग्रास एनपीए को लिख-आफ भी किया। नान-परफार्मिंग लोन पर प्रोविजनिंग कवरेज रेशियो 75.8 प्रतिशत रहा। इसके अलावा बैंक ने फंड-बेस्ड आउटस्टैंडिंग पर 22,710 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान रखा है, जो कुल लोन का 1.5 प्रतिशत है। आईसीआईसीआई बैंक की कैपिटल पोजीशन भी मजबूत बनी हुई है। मार्च 2026 के अंत तक बैंक का कुल कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो 17.18 प्रतिशत और सीईटी-1 रेशियो 16.35 प्रतिशत रहा।

टोयोटा की चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट आफर

नई दिल्ली

वित्तीय वर्ष 2025-26 की शानदार शुरुआत करते हुए टोयोटा ने अपनी चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट आफर किया है। छूट के साथ उपलब्ध गाड़ियों की लिस्ट में शामिल टोयोटा अर्बन क्रूजर हाईराइडर पर ग्राहक रुपए 1.10 लाख तक की बचत कर सकते हैं। हाईराइडर का एक्सटीरियर बोल्ड और प्रीमियम है।

इसमें आक्रामक स्प्लिट हेडलैंप्स, क्रोम ग्रिल और एलईडी डीआरएल इसे एक आकर्षक लुक देते हैं। यह हाइब्रिड एसयूवी अपनी 27.97 किमी प्रति लीटर तक की एआरएआई क्लेम्ड माइलेज, उन्नत सुरक्षा सुविधाओं और प्रीमियम कम्फर्ट के लिए जानी जाती है। साइड प्रोफाइल में रूफ रेल्स और 17 इंच के मशीन्ड अलाय व्हील्स इसकी एसयूवी पहचान को मजबूत करते हैं। 210 मिमी का ग्राउंड क्लियरेंस इसे शहरी और हाईवे दोनों तरह की सड़कों के लिए उपयुक्त बनाता है। केबिन के अंदर डुअल-टोन डैशबोर्ड, 9 इंच की फ्लोटिंग टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और पैनोरमिक सनरूफ प्रीमियम फील देते हैं। वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पावर्ड ड्राइवर सीट और एंबिएंट लाइटिंग लंबी यात्राओं को आरामदायक बनाती हैं। पीछे की सीटें रिक्लाइनिंग हैं, जिससे यात्रियों को पर्याप्त जगह मिलती है, हालाँकि सनरूफ के कारण हेडरूम थोड़ा प्रभावित हो सकता है। 373 लीटर का बूट स्पेस भी पर्याप्त है। फीचर्स के मामले में हाईराइडर में वायरलेस एंड्राइड आटो/एपल कारप्ले, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और कनेक्टेड कार टेक जैसे आधुनिक उपकरण हैं। हाईराइडर दो इंजन विकल्पों में उपलब्ध है: एक 1.5 लीटर टीएनजीए स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन जो 116 बीएचपी की संयुक्त पावर देता है, और दूसरा 1.5 लीटर के-सीरीज़ माइल्ड हाइब्रिड इंजन जो 103 बीएचपी की पावर प्रदान करता है। इसकी एक्स-शोरूम कीमत मात्र रुपए 10.99 लाख से शुरू होती है। सुरक्षा के लिए, सभी वेरिएंट में 6 एयरबैग्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें एबीएस के साथ ईबीडी, टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम और आईएसओफिक्स चाइल्ड सीट माउंट भी हैं।

वाहन बाजार में कौन सी इलेक्ट्रिक कार है ज्यादा दमदार

नई दिल्ली

भारतीय वाहन बाजार में दो 7-सीटर इलेक्ट्रिक कार उपलब्ध है। इनमें विनफास्ट वीएफ एमपीवी 7 और महिंद्रा एक्सईवी 9एस कारें शामिल है। पारिवारिक जरूरतों के लिए दोनों ही कारें बेहतरीन विकल्प के रूप में उभर रही हैं। विनफास्ट वीएफ एमपीवी 7 का डिजाइन फैमिली-सेंट्रिक है, जो लंबी और व्यावहारिक संरचना के साथ थिएटर-स्टाइल सीटिंग प्रदान करता है, जिससे अंदर और बाहर निकलना आसान होता है। इसके विपरीत, महिंद्रा एक्सईवी 9एस एक बोल्ड एसयूवी डिजाइन के साथ आती है, जिसमें भविष्यवादी, मस्कुलर लाइनें, उच्च ग्राउंड क्लियरेंस (201-219 मिमी) और आकर्षक एलईडी लाइट्स हैं, जो इसे सड़क पर अधिक प्रीमियम और एसयूवी जैसा लुक देती हैं। इंटीरियर की बात करें तो दोनों ही 7-सीटर हैं, लेकिन एक्सईवी 9एस में स्लाइडिंग सेकंड रो, फ्लैट फ्लोर और अधिक केबिन स्पेस मिलता है।

इसमें लेदर अपहोल्स्ट्री, पैनोरमिक सनरूफ और तीसरी रो के लिए अच्छा हेडरूम है। वीएफ एमपीवी 7 में भी थिएटर-स्टाइल सीट्स और सभी रो में एसी वेंट्स के साथ लेदरेट अपहोल्स्ट्री है, जो लंबी यात्राओं के लिए आरामदायक है। फीचर्स के मामले में महिंद्रा एक्सईवी 9एस कहीं आगे है।

इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप, लेवल-2 प्लस एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस), 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ और एडवांस्ड कनेक्टिविटी मिलती है। वीएफ एमपीवी 7 में तीन ड्राइव मोड्स (इको, नार्मल, स्पोर्ट), चार रीजेन ब्रेकिंग लेवल्स और बुनियादी कंफर्ट फीचर्स हैं। सुरक्षा के मोर्चे पर भी एक्सईवी 9एस बेहतर है। इसमें 6 एयरबैग्स, एल2 प्लस एडीएएस, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी) और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) जैसे उन्नत सुरक्षा फीचर्स मिलते हैं। वीएफ एमपीवी 7 में 4 एयरबैग्स, एबीएस-ईबीडी, ईएससी, टीपीएमएस और रियर कैमरा जैसी सुविधाएं हैं। बैटरी, मोटर और रेंज की तुलना करें तो, वीएफ एमपीवी 7 में 60.13केडब्ल्यूएच की बैटरी, फ्रंट-व्हील ड्राइव 201 पीएस मोटर (280 एनएम) और एआरएआई क्लेम्ड 517 किमी की रेंज मिलती है। 80 केडब्ल्यू डीसी चार्जिंग से यह 30 मिनट में 10-70 प्रतिशत चार्ज हो जाती है।

महिंद्रा एक्सईवी 9एस में 59, 70 या 79 केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी विकल्प हैं। इसके रियर-व्हील ड्राइव सिंगल मोटर (228-286 पीएस, 380 एनएम) के साथ रेंज 521 किमी से 679 किमी तक है। विनफास्ट वीएफ एमपीवी 7 एक समर्पित एमपीवी है जिसकी अप्रैल 2026 में रुपए 24.49 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लान्च होने की उम्मीद है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा जर्सी बदलने वाले खिलाड़ी : एक विस्तृत विश्लेषण

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग, अपनी चकाचौंध, प्रतिस्पर्धा और अप्रत्याशितता के लिए जानी जाती है, जहाँ खिलाड़ी हर साल अपने कौशल और फार्म के दम पर टीमों में जगह बनाते हैं। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अपने पूरे करियर में एक ही टीम का प्रतिनिधित्व किया, जैसे विराट कोहली रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए और कीरोन पोलार्ड मुंबई इंडियंस के लिए। ये निष्ठा और स्थायित्व के प्रतीक बन गए। हालांकि, आईपीएल में एक दूसरा पहलू भी है, जहाँ खिलाड़ियों को लगातार नई टीमों के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है या उन्हें फ्रेंचाइजी द्वारा रिलीज कर दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वे कई अलग-अलग जर्सी में खेलते हुए नजर आते हैं। यह लेख ऐसे शीर्ष पांच खिलाड़ियों पर प्रकाश डालता है, जिनके नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा टीमों के लिए खेलने का अनोखा रिकार्ड दर्ज है। इस सूची में सबसे पहला नाम आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एरोन फिंच का है। फिंच की आक्रामक बल्लेबाजी शैली उन्हें हर फ्रेंचाइजी के लिए एक मूल्यवान संपत्ति बनाती थी, लेकिन अजीब बात यह है कि उन्हें किसी भी एक टीम में लंबा समय बिताने का मौका नहीं मिला। अपने आईपीएल करियर में फिंच ने कुल 9 टीमों के लिए मैदान पर कदम रखा, जो एक अद्वितीय रिकार्ड है। उन्होंने राजस्थान रायल्स, दिल्ली कैपिटल्स (तत्कालीन डेयरडेविल्स), पुणे वारियर्स इंडिया, सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, गुजरात लायंस, पंजाब किंग्स, रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों के लिए खेला। हर नीलामी में उन पर दांव लगाया गया, लेकिन टीम की रणनीति, उनके फार्म या चोट के कारण उन्हें बार-बार टीम बदलनी पड़ी। दूसरे स्थान पर भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट का नाम आता है। अपनी विविधता भरी गेंदबाजी और धीमी गेंदों के लिए मशहूर उनादकट भी आईपीएल नीलामी में हमेशा आकर्षण का केंद्र रहे हैं। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद का प्रतिनिधित्व कर रहे उनादकट अब तक 8 अलग-अलग टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी यात्रा कोलकाता नाइट राइडर्स से शुरू हुई और फिर रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, राजस्थान रायल्स, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स होते हुए सनराइजर्स हैदराबाद तक पहुंची है। उन्हें कई बार मोटी रकम में खरीदा गया, लेकिन वे लगातार अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए, जिसके चलते उन्हें हर सीजन में नई टीम की तलाश करनी पड़ी। भारतीय टीम के सबसे फिट खिलाड़ियों में से एक और आईपीएल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय मनीष पांडे इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज मनीष पांडे अब तक 7 आईपीएल टीमों के लिए खेल चुके हैं। उनकी आईपीएल यात्रा मुंबई इंडियंस और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु से शुरू हुई, जिसके बाद वे पुणे वारियर्स इंडिया, कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का हिस्सा बने।

न्यूज ब्रीफ

काशवी गौतम : एक साल के भीतर तीनों फार्मेट में डेब्यू...

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका के दौरे पर है, जिसका पहला मुकाबला डरबन में खेला गया। हालांकि भारत यह मैच 6 विकेट से हार गया पर इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय महिला क्रिकेट को एक नया चेहरा मिला, जब युवा तेज गेंदबाज काशवी गौतम को

भारतीय टीम की तरफ से डेब्यू कैप प्रदान की गई। यह 22 वर्षीय प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने महज एक साल के भीतर भारतीय टीम के लिए क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में पदार्पण कर लिया है। अप्रैल 2025 में उन्हें वनडे कैप मिली थी, और फिर इसी साल मार्च में उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का अवसर प्राप्त किया था। अब, साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस टी20 मुकाबले में, वह भारतीय जर्सी में टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है। काशवी गौतम भारतीय महिला क्रिकेट की सबसे होनहार तेज गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने बहुत कम समय में अपनी पहचान बनाई है। वह तब पहली बार सुर्खियों में आईं, जब 2024 की विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में उन्हें गुजरात जायंट्स ने दो करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि में खरीदा था। इस खरीद के साथ ही वह उस समय डब्ल्यूपीएल इतिहास की सबसे महंगी अनकैप्ड खिलाड़ी बन गई थीं, जिससे उनकी प्रतिभा पर फ्रेंचाइज़ियों का भरोसा स्पष्ट हो गया था। काशवी तब और भी अधिक चर्चा में आईं, जब उन्होंने 2020 में एक घरेलू अंडर-19 मैच में एक ही पारी में सभी 10 विकेट चटकाने का अविश्वसनीय कारनामा किया था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हैट्रिक भी ली थी, जिससे उनकी गेंदबाजी क्षमता का उजागर किया।

हिंगे सहित सभी गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से हैदराबाद ने पलटी बाजी, सीएसके के हाथ आई जीत फिसली

हैदराबाद। प्रफुल्ल हिंगे सहित सभी सभी गेंदाबाजों के अच्छे प्रदर्शन से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में हार का सामना करना पड़ा है। इस रोमांचक मुकाबले में अंतिम ओवर में सीएसके के हाथों से मैच निकल गया। इस मैच में सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा की 22 गेंद में 59 रनों की आक्रामक पारी और हेनरिक क्लासेन के 39 गेंद पर 59 रनों की सहायता से 9 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद 195 रन का पीछा करते हुए सीएसके 20 ओवरों में 8 विकेट पर 184 रन ही बना पाई। मैच का फैसला अंतिम दो ओवरों में हुआ। इसमें सीएसके को जीत के लिए 30 रन बनाने थे। उसने 19 वें ओवर में 12 रन बनाये। इस प्रकार उसे अंतिम ओवर में 18 रन बनाने थे। ऐसे में प्रफुल्ल ने ने केवल 7 रन देकर अपनी टीम हैदराबाद को जीत दिला दी। हैदराबाद के गेंदबाजों ने बीच के ओवर्स में अच्छी गेंदबाजी कर सीएसके के हाथों से जीत छीन ली। मैच में 195 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की ओर से मैट शार्ट ने 34 व आयुष म्हात्रे ने 30 रन बनाकर अच्छी शुरुआत की।

लियोनल मेसी का डबल धमाका, इंटर मियामी ने कोलोराडो रैपिड्स को 3-2 से हराया

डेनवर । लियोनल मेसी की कप्तानी में इंटर मियामी ने एक रोमांचक मुकाबले में कोलोराडो रैपिड्स को 3-2

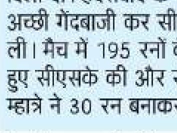

से हरा दिया। 75,824 दर्शकों की मौजूदगी में यह मैच एम्पावर फील्ड एट माइल हाई में खेला गया। मेजर लीग साकर के इतिहास की यह दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति थी। मियामी की जीत में कप्तान लियोनल मेसी की अहम भूमिका रही। मेसी ने दो गोल करते हुए टीम को जीत दिलायी। मैच की शुरुआत से ही इंटर मियामी ने आक्रामक खेल दिखाया। 18वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन में उनका छठा गोल था। पहले हाफ के अंत में, स्टापेज टाइम में जर्मन बर्टेराम ने शानदार हेडर के जरिए मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल में सिल्वेटी का सटीक क्रास अहम रहा, जो इस सीजन में उनका तीसरा असिस्ट था। दूसरे हाफ में कोलोराडो रैपिड्स ने जोरदार वापसी की। 58वें मिनट में राफेल नवारो और 62वें मिनट में डैरेन यापी ने गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका था और दोनों टीमें जीत के लिए संघर्ष कर रही थी। हालांकि, 79वें मिनट में मेसी ने एक बार फिर अपना जादू दिखाया। उन्होंने रोद्रिगो डी पाल के पास पर शानदार कर्लिंग शाट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचाया, जबकि डी पाल का तीसरा असिस्ट रहा। मैच में अंत तक इंटर मियामी ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 3-2 से जीत हासिल कर तीन अहम अंक अपने नाम किए। इस जीत के साथ टीम ने सीजन में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है।

दुनिया का वो क्रिकेटर...जो पत्नी को अलमारी में कर देता था बंद

यह किस्सा आज भी क्रिकेट प्रेमियों के बीच सकलैन मुश्ताक की यादों में एक खास जगह रखता है

नई दिल्ली

क्रिकेट के मैदान पर जब पाकिस्तान के महान आफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक अपनी उंगलियों को हरकत देते थे, तो दुनिया के बड़े-बड़े बल्लेबाजों के पसीने छूट जाते थे। उनकी अनूठी दूसरा गेंद ने क्रिकेट की डिक्शनरी में एक नया और प्रभावी शब्द जोड़ दिया था, जिससे बल्लेबाजों को भ्रमित करना उनका शगल बन गया था। लेकिन साल 1999 के क्रिकेट विश्व कप के दौरान, इंग्लैंड की ठंडी हवाओं के बीच सकलैन मैदान के बाहर एक ऐसी गुगली खेल रहे थे, जिसकी भनक न तो टीम मैनेजमेंट को थी और न ही उनके कप्तान को। यह कहानी किसी जासूसी फिल्म से कम नहीं है, जिसमें एक तरफ विश्व कप का जबरदस्त दबाव था और दूसरी तरफ एक नया-नवेला शादीशुदा जोड़ा।

सकलैन मुश्ताक की शादी दिसंबर 1998 में हुई थी। अभी शादी की मेहंदी का रंग गहरा ही था कि 1999 का विश्व कप शुरू हो गया। सकलैन के लिए एक अच्छी बात यह थी कि उनकी पत्नी लंदन की ही रहने वाली थीं। सकलैन का अपना एक सीधा सा गणित था: दिन भर मैदान पर पसीना बहाओ, विकेट चटकाओ और शाम को पत्नी के साथ सुकून के पल बिताओ। सब कुछ सही चल रहा था, टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही थी और सकलैन खुद शानदार फार्म में थे। लेकिन अचानक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक अप्रत्याशित फरमान जारी कर दिया कि सभी खिलाड़ी अपने परिवारों को तुरंत वापस घर भेजें। बोर्ड का मानना था कि परिवारों की मौजूदगी से खिलाड़ियों का ध्यान भटक रहा है और वे खेल पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन सकलैन के लिए यह तर्क गले उतारना मुश्किल था। वह अपनी लय में थे, टीम जीत रही थी और वह खुद शानदार फार्म में थे। उन्होंने मन ही मन ठान लिया, मैं यह नियम नहीं मानूंगा। और यहीं से शुरू हुआ सकलैन मुश्ताक का अपनी पत्नी को होटल के कमरे की अलमारी में छिपाने का अनोखा और हास्यपूर्ण मिशन।

सकलैन मुश्ताक ने अपनी पत्नी को होटल के कमरे से बाहर नहीं भेजा। लेकिन अब उनके सामने एक बड़ी चुनौती थी कि टीम के मैनेजर और कोच समय-समय पर खिलाड़ियों के कमरों का मुआयना करने आते थे, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। यहीं से शुरू हुआ सकलैन मुश्ताक का सबसे मजेदार डिफेंसिव गेम और छिपम-छिपाई का खेल। जब भी दरवाजे पर दस्तक होती, सकलैन का दिल जोर से धड़कने लगता। वह तुरंत अपनी पत्नी से कहते, जल्दी, अलमारी के अंदर जाओ। उनकी पत्नी भी समझदार थीं और चुपचाप अलमारी में कपड़ों के बीच दुबक कर बैठ जातीं और सकलैन चेहरे पर एक मासूम मुस्कान लिए दरवाजा खोलते। चाहे वह कोच रिचर्ड पायबस हों या टीम के अन्य अधिकारी, वे कमरे में झांकते, सकलैन से हाल-चाल पूछते और फिर चले जाते। उन्हें रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि जिस अलमारी के पास वे खड़े हैं, उसके अंदर पाकिस्तान के स्टार स्पिनर की बेहतर अर्धांगिनी अपनी हंसी रोके बैठी हैं, इस अनूठे नियम तोड़ने के कारनामे को अंजाम दे रही हैं।

यह लुका-छिपी का खेल कुछ दिनों तक तो चला, लेकिन क्रिकेट टीम में बातें ज्यादा समय तक छिपती नहीं हैं। एक शाम, सकलैन के साथी खिलाड़ी अजहर महमूद और मोहम्मद युसूफ उनके कमरे पर आ धमके। वे नियमों को लेकर चर्चा करने आए थे, लेकिन उनकी नजरें कमरे में कुछ असामान्य ढूंढ रही थीं। सकलैन ने उन्हें टालने की कोशिश की, पर अजहर और युसूफ को कुछ संदिग्ध लगा। उन्हें शक हो गया कि इस कमरे में कोई और भी है। सकलैन की घबराहट उनके चेहरे पर साफ दिख रही थी। अंत में, जब दोस्तों ने बहुत जोर दिया और हंसी-मजाक का माहौल शुरू हुआ, तो सकलैन को अपनी हार माननी पड़ी। उन्होंने मुस्कुराते हुए अलमारी का दरवाजा खोला और अपनी पत्नी को बाहर आने को कहा। उस पल का दृश्य ऐसा था कि अजहर और युसूफ अपनी हंसी नहीं रोक पाए। एक तरफ दुनिया का सबसे खतरनाक स्पिनर खड़ा था और दूसरी तरफ वह अलमारी, जो कुछ पलों के लिए सकलैन के प्यार का किला बन गई थी, जिसने एक अनोखी कहानी रच दी।

हैरानी की बात यह है कि इस मानसिक उठापटक और लुका-छिपी के बावजूद सकलैन के खेल पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा। इसी विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने ऐतिहासिक हैट्रिक ली, जो उनकी शानदार गेंदबाजी का एक और प्रमाण था। वह पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक रहे, अपनी टीम के लिए लगातार महत्वपूर्ण विकेट चटकाते रहे। सालों बाद जब सकलैन ने रौनक कपूर के शो बियान्ड द् फील्ड में इस मजेदार किस्से को साझा किया, तो उन्होंने ठहाका लगाते हुए कहा कि वह एक पेशेवर खिलाड़ी थे। दिन भर वह टीम के लिए जान लड़ाते थे और शाम को उन्हें बस अपने जीवनसाथी का साथ चाहिए था, जो उन्हें मानसिक शांति प्रदान करता था। यह किस्सा आज भी क्रिकेट प्रेमियों के बीच सकलैन मुश्ताक की यादों में एक खास जगह रखता है, जो उनके मैदान पर जादू और मैदान के बाहर के अनूठे व्यक्तित्व को दर्शाता है।

केन्या के केफर लुंबासी ने जीती सातवीं चन्द्रशेखर हाफ मैराथन की ट्राफी

बलिया (उत्तर प्रदेश)

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की स्मृति में रविवार को आयोजित सातवीं चंद्रशेखर हाफ मैराथन (21 किलोमीटर) की सवा लाख रुपये इनाम राशि की ट्राफी केन्या के धावक केफर लुम्बासी ने जीत ली। प्रयागराज के सचिन यादव द्वितीय और केन्या के केबिछी वाइजली ने तीसरा स्थान हासिल किया।

इस मैराथन में भाग लेने के लिए 730 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। सभी खिलाड़ी सुबह छह बजे स्टार्टिंग प्वाइंट पर पहुंचे। पटपर पचखोरा में मैराथन का फ्लैग आफ सांसद नीरज शेखर व भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्र ने किया। केन्या के धावकों ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। 240 नंबर जर्सी पहने केनिया के केफर लुंबासी ने 59 मिनट पांच सेकण्ड में अपनी दौड़ पूरी की। केनियायी धावक केफर लुंबासी ने पचखोरा में स्टार्टिंग प्वाइंट से लेकर वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में फिनिश लाइन तक लगातार बढ़त बनाए रखी। हालांकि, प्रयागराज के सचिन यादव ने भी केनियायी धावक का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने शुरू से ही केफर को पछाड़ने के लिए पूरी ताकत झोंकी, मगर महज 32 सेकण्ड से पिछड़ कर द्वितीय स्थान हासिल किया।

230 नंबर की जर्सी पहने सचिन यादव ने अपनी दौड़ 59 मिनट 37 सेकण्ड में पूरी की। केन्या के ही केबिछी वाइजली ने तृतीय स्थान हासिल किया। केबिछी ने एक घंटे 53 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। 270 नंबर के धावक वाराणसी के अनिल पटेल ने चतुर्थ स्थान, 271 नंबर के धावक वाराणसी के जुगनू कुमार ने पांचवां स्थान, 269 नंबर के धावक वाराणसी के अभिषेक प्रजापति ने छठवां स्थान, 244 नंबर के केनिया के चेपके वांग ने सातवां स्थान, 153 नंबर के धावक बलिया के सोनू कुमार राजभर आठवां स्थान, 172 नंबर के धावक बलिया के नीतीश कुमार ने नौवां स्थान और 703 नंबर के धावक मध्य प्रदेश के मऊगंज के पंकज पटेल ने दसवां स्थान हासिल किया। पंकज पटेल ने अपनी दौड़ एक घंटे सात मिनट और पंद्रह सेकण्ड में पूरी की। फिनिशिंग लाइन तक पहुंचे वाराणसी के कुश कुमार ने एक घंटा 15 मिनट 23 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। लगभग डेढ़ सौ खिलाड़ी फिनिश लाइन तक पहुंच सके।

श्रेयस अय्यर को टी20 टीम में जगह न मिलना भारत का नुकसान होगाः अश्विन

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व आलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चयन समिति को एक स्पष्ट संदेश भेजा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर श्रेयस अय्यर को भारत की टी20 टीम में शामिल नहीं किया जाता है तो यह देश का बड़ा नुकसान होगा। अय्यर ने भारत के लिए आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था और उसके बाद से उन्हें इस फार्मेट मे नजरअंदाज किया जा रहा है। यहां तक कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें तिलक वर्मा के रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना गया था, लेकिन प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला। आईपीएल में लगातार दमदार प्रदर्शन कर रहे श्रेयस अय्यर की वकालत अश्विन ने एक बार फिर की है, साथ ही उन्हें लीडरशिप रोल के लिए भी उपयुक्त बताया है। अय्यर ने 2024 में केकेआर को चैंपियन बनाया था और पिछले साल पंजाब को फाइनल तक पहुंचाया था, जबकि इस साल भी उनकी टीम अभी तक अजेय है। अश्विन का यह बयान मुंबई इंडियंस के खिलाफ अय्यर की 35 गेंदों में 66 रनों की कहर बरपाती पारी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जसप्रीत बुमराह के खिलाफ जबरदस्त बल्लेबाजी की।

भारतीय महिला हाकी टीम ने शूटआउट में अर्जेंटीना को हराया, सीरीज में बराबरी

ब्यूनस आयर्स

भारतीय महिला हाकी टीम ने अर्जेंटीना दौरे पर शानदार जज्बा दिखाते हुए चार मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। शुरुआती दो मुकाबलों में हार के बाद टीम ने जोरदार वापसी करते हुए अंतिम दो मैच जीतकर दौरे का समापन सकारात्मक अंदाज में किया।

दौरे की शुरुआत 13 अप्रैल को खेले गए पहले मैच से हुई, जिसमें भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन उसे 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए नवनीत कौर और अनु ने गोल किए, जबकि अर्जेंटीना की ओर से मारिया एमिलिया लार्सेन, विक्टोरिया ग्रानाटो और जूलिएटा जांकुनास ने शानदार खेल दिखाया।

दूसरे मुकाबले में भारत को 2-1 से हार झेलनी पड़ी, हालांकि इशिका ने शुरुआती बढ़त दिलाई थी। लेकिन अर्जेंटीना की अगुस्टिना गोरजेलानी ने दो गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया।

इसके बाद भारतीय टीम ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में फिर से नवनीत कौर और नेहा ने पेनल्टी कार्नर पर गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

सीरीज का अंतिम मुकाबला 17 अप्रैल को बेहद रोमांचक रहा, जो निर्धारित समय में 0-0 से ड्रा रहा। भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। शूटआउट में भारत ने 3-2 से जीत हासिल कर सीरीज को बराबरी पर खत्म किया।

स्टैंड-इन कप्तान नवनीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि शुरुआती हार के बाद वापसी करना आसान नहीं था, लेकिन टीम ने दबाव में शानदार खेल दिखाया।

यह दौरा भारतीय टीम के लिए काफी अहम साबित हुआ, जिससे खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ अनुभव मिला। अब टीम स्वदेश लौटकर आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटेगी।

आईपीएल 2026ः महंगा दांव लगाने के बावजूद फ्लाप रहे ये विदेशी खिलाड़ी

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग हर साल दुनिया भर के क्रिकेटरों के लिए एक बड़ा मंच साबित होती है, जहाँ वे न केवल अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं, बल्कि मोटी कमाई भी करते हैं। मिनी आक्शन के दौरान टीमें विदेशी खिलाड़ियों पर बड़ा दांव खेलती हैं, क्योंकि वे मैच का पासा पलटने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, हर बार यह दांव सफल नहीं होता। आईपीएल 2026 में भी कुछ ऐसे विदेशी खिलाड़ी रहे हैं, जिन पर उनकी फ्रेंचाइजी ने करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन वे मैदान पर अपनी कीमत के अनुरूप प्रदर्शन करने में बुरी तरह विफल साबित हुए। आइए देखते हैं आईपीएल 2026 में अब तक के सबसे फ्लाप विदेशी खिलाड़ियों की सूची।

इस सूची में सबसे ऊपर आस्ट्रेलिया के आलराउंडर कैमरून ग्रीन का नाम है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नीलामी में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये की अविश्वसनीय बोली लगाकर उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था। यह रकम उनके आलराउंड प्रदर्शन, खासकर तेज गेंदबाजी और शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी में उनकी क्षमता को देखते हुए खर्च की गई थी। हालांकि, ग्रीन का प्रभाव केकेआर के लिए लगभग नगण्य रहा है। वे न तो बल्ले से अपेक्षित रन बना पाए और न ही अपनी गेंदबाजी से विकेट निकाल पाए, जिससे टीम को भारी नुकसान हुआ। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद उनसे मैच जिताऊ प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन वे पूरी तरह से फ्लाप रहे हैं, जिससे फ्रेंचाइजी को भारी निराशा हुई है।

दूसरे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के स्टार खिलाड़ी निकोलस पूरन हैं। वेस्टइंडीज के इस विस्फोटक बल्लेबाज को लखनऊ ने 21 करोड़ रुपये की बड़ी रकम पर रिटेन किया था। पूरन अपनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और बड़े शाट्स लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, खासकर डेथ ओवरों में। लेकिन इस सीजन में उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। बार-बार बैटिंग आर्डर

में बदलाव और दबाव के चलते पूरन अब तक खेले गए 5 मैचों में सिर्फ 42 रन ही बना पाए हैं। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे मध्यक्रम में स्थिरता प्रदान करेंगे और तेजी से रन बटोरेंगे, लेकिन वे टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं।

इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन भी आईपीएल 2026 में अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे हैं। अपनी पावर-हिटिंग और लेग-स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर लिविंगस्टोन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये की मोटी रकम पर खरीदा था। हालांकि, इस सीजन में उनकी हालत यह रही कि उन्हें सिर्फ एक मैच में खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने मात्र 14 रन बनाए। एक ऐसे खिलाड़ी पर इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बावजूद अगर वह टीम की प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना पा रहा है या मौका मिलने पर प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है, तो यह फ्रेंचाइजी के लिए चिंता का विषय है। गुजरात टाइटंस के उप-कप्तान और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ लेग-स्पिनरों में से एक राशिद खान भी इस सीजन में अपने नाम और प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गुजरात ने उन्हें 18 करोड़ रुपये की भारी रकम पर रिटेन किया था, क्योंकि वे गेंद और बल्ले दोनों से मैच जिताने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, इस सीजन में उनके प्रदर्शन पर नजर डालें तो वे चार मैचों में गेंदबाजी में सिर्फ 5 विकेट ही ले पाए हैं और बल्लेबाजी में उनके नाम सिर्फ 24 रन दर्ज हैं। राशिद के मानकों के हिसाब से यह प्रदर्शन काफी औसत है, और उनसे हमेशा उम्मीद की जाती है कि वे लगातार विकेट निकालेंगे और निचले क्रम में महत्वपूर्ण रन बनाएंगे, जिसमें वे इस सीजन में थोड़े पिछड़ते नजर आ रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स भी आईपीएल 2026 में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। स्टब्स को दिल्ली कैपिटल्स ने 10 करोड़ रुपये की बड़ी रकम पर रिटेन किया था, ताकि वे टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकें और अंत के ओवरों में तेजी से रन बना सकें। लेकिन इस सीजन में स्टब्स अब तक 4 मैचों में सिर्फ 109 रन ही बना पाए हैं। एक फिनिशर के तौर पर उनसे उम्मीद की जाती है कि वे हर मैच में प्रभावशाली कैमियो खेलेंगे, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे हैं, जिससे दिल्ली की मध्यक्रम की बल्लेबाजी और मजबूत फिनिश की कमी महसूस की जा रही है।

बिना वजह क्यों होता है मोबाइल के वाइब्रेशन का अहसास

मोबाइल फोन आजकल एक आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। हर शख्स अपने आप को मोबाइल फोन के साथ कंफर्टेबल और सुरक्षित महसूस करता है। पर ऐसे में कुछ अजीबो गरीब बीमारियां भी पनप रही हैं जिनका रिश्ता सिर्फ मोबाइल फोन से ही है। ऐसी ही एक बीमारी के बारे में हम यहां जिक्र कर रहे हैं।

बिना बजे ही लगता है फोन कर रहा है वाइब्रेट

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में एक बीमारी का पता चला है। इस बीमारी में आपका फोन वाइब्रेट नहीं होगा, लेकिन बार-बार आपको ऐसा एहसास होगा कि आपका फोन या आसपास कोई दूसरा फोन वाइब्रेट हो रहा है। शेधकर्ताओं का कहना है कि मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले लगभग नब्बे प्रतिशत लोगों को अक्सर कपड़ों में सरसराहट या मांसपेशियों में ऐंठन होने से बार-बार ऐसा लगता है जैसे उनका या उनके आसपास का कोई मोबाइल वाइब्रेट हो रहा हो। वास्तविकता में ऐसा कुछ नहीं होता चेक करने के बाद ये अहसास होता है कि ये उनकी गलतफहमी थी। इस डिसीज को नाम दिया गया है फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम। हालांकि इस अध्ययन में यह भी पता चला है कि ज्यादातर लोग जिनमें यह लक्षण पाया गया है, उन्हें इस बीमारी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है।

ऐसा ही होता है पैरीडोलिया में भी

इसी तरह का अहसास होने पर इस बीमारी को पैरीडोलिया नाम भी दिया गया है। पैरीडोलिया में भी आपका दिमाग ऐसी चीजों के बारे में सोच लेता है जो दरअसल होती ही नहीं हैं। जैसे बिना मतलब वाइब्रेशन को महसूस करना, ऐसा विशेष रूप से तब होता है जब हम फोन को वाइब्रेशन पर लगा देते हैं और अचानक हमारा फोन किसी ना किसी वजह से वाइब्रेट करता है। इसके बाद जब हमारा दिमाग किसी एक्टिविटी में बिजी होता है और आपके अवचेतन में ये बात होती है कि फोन फिर वाइब्रेट होगा और उसी वजह से बिना किसी वजह के आपको लगता है कि फोन वाइब्रेट हो रहा है। ये कोई हैल्यूसिनेशन नहीं है बल्कि यह आपके दिमाग का फोन के प्रति बिना अहसास के ज्यादा सचेत हो जाना है।

गर्मी दूर भगाने के लिए इस तरह करें शीतली प्राणायाम

जैसा नाम वैसा काम। ये कहावत शीतली प्राणायम के लिए एकदम सटीक बैठती है। शीतली प्राणायाम से गर्मी के मौसम में राहत पाई जा सकती है। शीतली प्राणायाम प्राणायाम ना केवल शीतलता प्रदान करता है बल्कि मन की शांति भी देता है। शरीर को ठंडक पहुंचाने के कारण इसे कूलिंग ब्रीथ कहा जाता है। इस प्राणायाम को सभी योगासन को करने के बाद सबसे अंत में किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सभी योगासनों को करने की थकान दूर होकर पूरे शरीर में ठंडक का एहसास होता हैं। इस प्राणायाम से सम्पूर्ण शरीर यंत्र को ठंडक प्राप्त होती है और कान एवं नेत्र को शक्ति मिलती है।

शीतली प्राणायाम करने से पहले स्नान कर लेना चाहिए। आसन और प्राणायाम के बाद स्नान करना चाहें तो कम से कम आधे घंटे का अंतराल रखें ताकि इस दौरान रक्त का संचार सामान्य हो जाए। यह प्राणायाम हर मौसम में हर जगह आसानी से किया जा सकता है। प्राणायाम का अभ्यास होने के बाद गर्मी के मौसम में इसकी अवधि आवश्यकता अनुसार बढ़ा सकते हैं।

शीतली प्राणायाम की खास बात ये है इसमें आप किसी एक प्रकार की अवस्था में बैठने के लिए बाध्य नहीं होते। दोनों हाथों की अंगुलियों को ज्ञान मुद्रा में दोनों घुटनो पर रखें, आंखें बन्द करें। उसके बाद अपनी जीभ को नली के समान बना लें अर्थात गोल बना लें और मुंह से लम्बी गहरी श्वास आवाज के साथ भरें।

फिर इस नली के माध्यम से ही धीरे-धीरे मुंह से सांस लें। इसके बाद जीभ अंदर करके सांस को धीरे-धीरे नाक के द्वारा बाहर निकालें। हवा नलीनुमा इस ट्यूब से गुजरकर मुंह, तालु और कंठ को ठंडक प्रदान करेगी। याद रहें कि श्वास बाहर निकालने का समय श्वास लेने के समय से ज्यादा हो। यानी जीभ के सहारे श्वास को धीरे-धीरे अंदर लेना भी है और स्वास छोड़ते वक्त श्वास और धीरे से छोड़ना है।

प्राणायाम के समय सांस लयबद्ध और गहरी होना चाहिए। शीतकारी प्राणायाम में मुंह बंद कर दंत पंक्तियों को मिलाकर मुंह से श्वास लेते हैं और नाक से ही श्वास छोड़ते हैं। प्रदूषित जगह में इस प्राणायाम का अभ्यास न करें। कम से कम 10 चक्रों का अभ्यास करें। अभ्यस्त होने पर 5 से 10 मिनट तक अभ्यास करें।

इसके अभ्यास से मानसिक उत्तेजना एवं उदासीनता दोनों दूर हो जाती हैं। मस्तिष्क के स्नायु, नाड़ी संस्थान तथा मन शांत हो जाता है। यह प्राणायाम अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, हृदयरोग और अल्सर में रामबाण का काम करता है। चिड़चिड़ापन, बात-बात में क्रोध आना, तनाव तथा गर्म स्वभाव के व्यक्तियों के लिए यह विशेष लाभप्रद है।

जो लोग खाते रहने की आदत से परेशान हैं उन्हें ये प्राणायाम जरूर करना चाहिए क्योंकि ये गैर जरूरी भूख कम करता है। ये प्राणायाम ब्लडप्रेशर कम करता है। एसीडिटी और पेट के अल्सर तक में आराम मिलता है।

प्राणायाम के अभ्यास के बाद शवासन में कुछ देर विश्राम करें। जहां तक संभव हो सूर्योदय या सूर्यास्त के समय ही यह प्रणायाम करें।

कलाई में दर्द होने पर ऐसे पाएं छुटकारा

घर हो या ऑफिस सारा दिन काम करते-करते हमारे हाथों में थकान महसूस होने लगती है,पर इस दर्द का असर सिर्फ हाथों पर ही नहीं ब्लकि हमारी कलाइयों पर भी पड़ता है। कलाइयों में होने वाले दर्द से कई बार पूरी बाजू काम करना बंद कर देती है।अगर दर्द ज्यादा हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। कुछ घरेलु उपायों को अपनाकर आप कलाइयों के दर्द को कम कर सकते है।

- अगर कलाइयों में दर्द हो रहा हो तो किसी अच्छे तेल से मालिश करने से दर्द से राहत पाई जा सकती है। पुदीने के तेल में ऑलिव ऑयल मिलाकर इस तेल से मालिश करने से दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।
- कलाइयों में दर्द होने पर आलू को उबालकर उसको अच्छी तरह मैश करके कलाई पर बांधने से दर्द से राहत पाई जा सकती है।

- बैंड का इस्तेमाल करके भी आप कलाइयों के दर्द से राहत पा सकते है बैंड को बांधकर रखने से कलाइयों को आराम मिलता है।
- बर्फ के टुकड़े से सेंक करने से कलाइयों के दर्द और सूजन से छुटकारा पाया जा सकता है।
- हमेशा कलाइयों को थोड़ी ऊंचाई पर रख कर सोना चाहिए। अपनी बाजुओं को तकिए पर रखकर हल्का खींचे और दर्द की स्थिति में हाथों का अधिक इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- पानी ज्यादा पीने से शरीर में मौजूद विषैले तत्त्व बाहर निकल जाते है, दर्द से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

आज की इस भाग दौड़ और प्रदूषण से भरी जिंदगी मे हर महिला ऐसी होगी जो सुन्दर दिखना चाहेगी, और वो भी बिना पार्लर गए और बिना समय गवाए। इस सर्द मौसम मे अगर आप अपने चेहरे के अनचाहे बालो से छुटकारा चाहती है तो कुछ घरेलू नुस्खे जरूर आजमाकर देखे।

चेहरे के अनचाहे बालों से कैसे पाएं निजात

मसूर का दाल

मसूर की दाल रातभर पानी मे भिगो के रखे फिर उसे सुबह थोड़ा दरदरा पीस ले और चेहरे पर 10 मिनिट लगा कर पूरी तरेह सूखने से पहले हाथो से मलकर निकाल दे, इससे आपको अनचाहे बालो से छुटकारा मिलेगा, अगर आपकी त्वचा रूखी हो तो उसमे आप मलाई या ग्लिसरीन मिला के भी लगा सकती है।

नारियल

गुनगुने नारियल के तेल मे थोड़ी सी हल्दी मिलाकर चेहरे पर मले आपको अनचाहे बालो से निजात मिलेगी और आपका चेहरा चमक उठेगा।

बेसन हल्दी

बेसन मे थोड़ी हल्दी ओर दूध मिलाकर लगाने से आपको अपने चेहरे के अनचाहे बालो को छुपाने के लिए आपको कभी पार्लर जाकर ब्लीच करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पपीते

हल्दी और कच्चे पपीते को पीसकर पेस्ट बनाकर 15 मिनिट लगाके उसे हल्के हाथ से मलके पानी से धो ले, यह बालो को समाप्त करने के लिए अच्छा उपाय है। चेहरे पर बदलाव देखने के लिए सप्ताह मे एक बार जरूर लगाए।

नमक पानी

पानी मे नमक डालकर कॉटन मे भिगो के इसे चेहरे पर मसाज करे, ऐसा आप प्रतिदिन लगाएंगे तो बाल चेहरे से हट जाएंगे।

शहद, दलिया

एक चम्मच शहद, दलिया और नींबू को मिला ले, फिर उसे चेहरे पर लगाके कमसेकम 15 मिनिट लगाए, फिर सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो ले। अगर आप यह चीज सप्ताह मे 2-3 बार करेंगें तो अच्छा परिणाम मिलेगा।

अंडे

1 अंडे की सफेदी ले, चीनी का 1 चम्मच, मकई का आटा 1 चम्मच डाले, फिर उसको मिलाके चेहरे पर 15 मिनिट रेहने दे। इसके बाद ठन्डे पानी से धो लें, आपके चेहरे पैर ताजगी रहेगी और साथ ही चमक भी।

तुलसी

तुलसी के 8-10 पत्तियां और प्याज का पेस्ट बना के चेहरे पर लगाए, कमसेकम 10 मिनट रख के पानी से धो ले। अच्छे परिणाम के लिए इसे सप्ताह मे 2 से 3 बार लगाएं। तो ये थे आपकी सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रकृति के खजाने से चुराए हुए कुछ खास नुस्खे सिर्फ आपके लिए, इसे इस्तमाल करने के बाद हर किसी की नजर आप पर ही होगी।

इससे से बना जाता है बुद्धिमान

अखरोट: जैसे यह दिखता है बस वैसे ही दिमाग होता है। इस में विटामिन ओमेगा 3ह्र भरपूर होता है, साथ में विटामिन श्च होता है। यह फल दिमाग के लिए सबसे बेहतरीन है।

ब्रॉकोली: यह हरी फुल गोभी है। इस में विटामिन च्च होता है, जो दिमाग को अच्छा पोषण देते है। संज्ञानात्मक समारोह में वृद्धि करता है और दिमाग की शक्ति भी बढाता है।

कद्दू के बीज: आप जब भी कद्दू की सब्जी बनाते होंगे तो बिज कचरे में डाल देते होंगे। किंतु यह एक मुट्ठी बिज अगर आप नियमित खाते है तो दिमाग को जिंक का पोषण मिलेगा। इससे दिमाग तेज और तंदरुस्त होगा।

मछली: कुछ मछलियां होती है जिन में ओमेगा3 का प्रमाण अच्छा खासा होता है। जो सीधे तरीके से शरीर में घुलता है और दिमाग को पोषण देता है। स्वस्थ दिमाग के लिए टमाटर, ब्रोकली, गाय का दूध, अखरोट जरूरी होते है, ये खाने से बना जाता है बुद्धिमान! खान पान बदल रहा है। लोग अधिकतर रेडी मेड फूड को अपना रहे है। इन खानों में वो पदार्थ होते है जो आपके दिमाग को तेज नहीं मंद करने में कारगर होते है। इस लिए ताजा फल, हरी सब्जी खाने से बेहद फायदा होगा। अगर दिमाग तंदरुस्त रहेगा तो ही आप का शारीर ठीक चलेगा और दिमाग सही वक्त पर बेहतर निर्णय लेगा, स्वस्थ शारीर में ही स्वस्थ दिमाग का निवास होता है।

कैंसर से बचने के लिए फायदेमंद है लहसुन

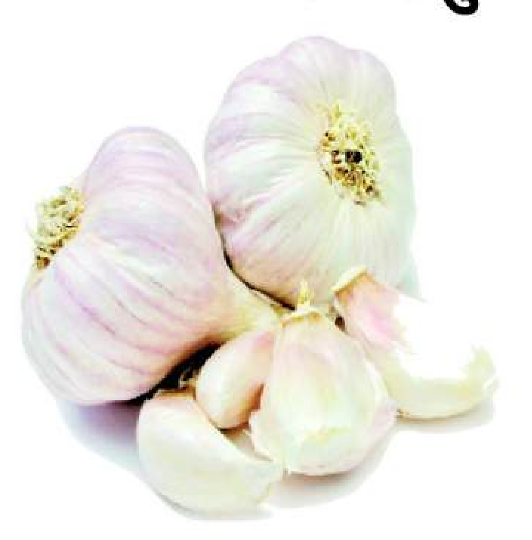

रसोई घरों में प्रयोग किया जाने वाला लहसुन गुणों की खान है। इसमें जुकाम, फ्लू, रक्तचाप, कैंसर से बचाव के गुण पाए जाते हैं। यह बहुत-सी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है और यह एक गुणकारी दवा भी है।कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज में लहसुन को खाना बहुत फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद में लहसुन को चमत्कारी दवा माना जाता है। अधिकतर चिकित्सक डाइट में लहसुन के सेवन को फायदेमंद बताते हैं। आइए, अब हम आपको लहसुन के फायदे बताते हैं।

दिल के लिए लाभदायक: लहसुन शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल को कम करके गुड कोलेस्ट्रोल के स्तर को बढ़ाने का काम करता है। हाई ब्लडप्रैशर को दूर करने में भी यह अत्यंत लाभदायक है। उच्च रक्तचाप को कंट्रोल में रखने के लिए भी यह बहुत फायदेमंद सिद्ध हुआ है। इसकी मौजूदगी के कारण एलिसिन नामक तत्व हाई बीपी को सामान्य रखते हैं।

रक्त संचार को ठीक रखने में: गाढ़े खून को पतला करने में लहसुन बहुत उपयोगी दवा है। यह गाढ़े खून को पतला करके शरीर में रक्त प्रवाह ठीक ढंग से बनाए रखता है। जिससे आप सामान्य बीमारियों से बचे रहते हैं।

कैंसर से लड़ाई लड़ने में: लहसुन का एक गुण यह भी है कि यह कैंसर जैसे गंभीर रोग से लड़ने में भी का सहायता करता है। कैंसर एक बहुत ही भयानक रोग है। यदि कैंसर के रोगी लहसुन का सेवन करे तो वह कैंसर से बच सकते हैं। डॉक ?टर पैनिक्रयाज, कोलोक्टोरल, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में लहसुन खाने की सलाह देते हैं।

ठंड से बचाव करने में: लहसुन की तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका अधिकतर प्रयोग सर्दियों में किया जाता है। क्योंकि ठंड के दिनों में लहसुन के सेवन से सर्दी नहीं लगती। ठंड के दिनों में गाजर, अदरक और लहसुन का जूस बनाकर पीने से शरीर को एंटीबायोटिक्स मिलते हैं। जिससे ठंड कम महसूस होती है।

दांत दर्द से राहत: इसका इस्तेमाल दांत दर्द से राहत देता है। लहसुन को लौंग के साथ पीसकर लगाने से दर्द कम होता जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**